मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 19
शुक्रवार, 25 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हंगामे के भेंट चढ़ा मानसून सत्र का चौथा दिन

नई दिल्ली, 24 जुलाई। मानसून सत्र का चौथा दिन भी हंगामे के साथ शुरू हुआ। सदन में विपक्षी सांसदों के हंगामे के बाद लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। सत्र शुरू होने से पहले, विपक्षी सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित अन्य मुद्दों को लेकर संसद के मकर द्वार पर फिर से विरोध प्रदर्शन किया। सत्र के पहले तीन दिन इसी तरह के विरोध प्रदर्शनों के कारण लगभग बिना किसी कार्यवाही के ही बीत गए, जिसके कारण बार-बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी और कोई भी महत्वपूर्ण विधायी कार्य नहीं हो सका।

आपको बता दें कि विपक्ष ने केंद्र सरकार पर एसआईआर अभ्यास, ऑपरेशन सिंदूर, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम पर बातचीत करने के डोनाल्ड ट्रम्प के बार-बार दावों पर बहस के लिए दबाव बनाना जारी रखा है, साथ ही सत्र के पहले दिन के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर जवाब मांग रहा है।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के रायबरेली स्थित आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (एमसीएफ) में संविदा कर्मचारियों को वेतन वितरण में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के उपाय किए गए हैं। उन्होंने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को सदन में हंगामा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों को आड़े-हाथों लिया और कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के संस्कार सदन में नारेबाजी करने, तख्तियां लाने और मेजेंठोंकने के लिए नहीं रहे हैं, लेकिन इस दल के मौजूदा सांसदों का आचरण पूरा देश देख रहा है।

राज्यसभा में बृहस्पतिवार को बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किए जाने के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के कारण बैठक लगातार चौथे दिन बाधित रही और एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजकर पंद्रह मिनट पर कार्यवाही को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष के हंगामे के कारण आज भी प्रश्नकाल नहीं चल पाया।

राज्यसभा में बृहस्पतिवार को उन छह सदस्यों को विदाई दी गई जिनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है जिनमें से एक उच्च सदन के लिए पहले ही पुनर्निर्वाचित हो चुके हैं। सदन की बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने कहा कि छह सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है जिसमें एक, अन्नाद्रमुक के पी विल्सन दूसरे कार्यकाल के लिए सदन में वापस आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि द्रमुक के एम मोहम्मद अब्दुल्ला और एन षणमुगम, अन्नाद्रमुक के एम चंद्रशेखरन और पी विल्सन, पीएमके के डॉ अंबुमणि रामदॉस तथा एमडीएमके के एम वाइको का उच्च सदन में कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

राज्यसभा में बृहस्पतिवार को वरिष्ठ वकील एवं न्यायविद् उज्ज्वल निकम ने मनोनीत सदस्य के रूप में शपथ ली। निकम ने मराठी में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। शपथ लेने के बाद सदस्यों ने मेजें थपथपाकर उनका स्वागत किया।

हमारे बीच जो भाईचारा था वह अब खत्म हो रहा है : गुलाम नबी आजाद

कश्मीर, 24 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने गुरुवार को खत्म होते भाईचारे पर चिंता व्यक्त की और सभी के राजनीतिक विचारों से परे सभी का सम्मान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। आजाद रियासी ज़िले में एक पार्टी कार्यकर्ता के पिता के निधन पर संवेदना व्यक्त करने आए थे। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि आप जिसे भी जानते हैं, चाहे उसका धर्म या पार्टी कुछ भी हो, उसका सम्मान किया जाना चाहिए। राजनीति अस्थायी है, लेकिन हम पहले इंसान हैं। चाहे हम हिंदू हों, मुसलमान हों या किसी भी पार्टी से हों, जम्मू-कश्मीर में जो भाईचारा

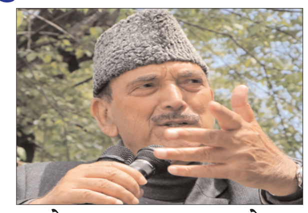

पहले था, वह अब खत्म हो रहा है। विभाजनकारी राजनीति को समाप्त करने का आह्वान करते हुए, आजाद ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से एकजुट होकर शांति, सम्मान और सहयोग पर आधारित सामाजिक ताने-बाने का पुनर्निर्माण करने का आग्रह किया। सामूहिक प्रयास से ही यह क्षेत्र स्थिरता और विकास की ओर अग्रसर हो सकता है। अपने दौरे के दौरान, आजाद ने निवासियों की चिंताओं को भी धैर्यपूर्वक सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि उनके मुद्दों को उचित मंचों पर उठाया जाएगा।

पर्दे के पीछे जरूर कुछ हुआ है, उपराष्ट्रपति धनखड़ के इस्तीफे पर बोले सचिन पायलट

जयपुर, 24 जुलाई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पार्टी महासचिव सचिन पायलट ने गुरुवार को जगदीप धनखड़ के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफे पर संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि इसके पीछे कुछ गड़बड़ है। टोंक में पत्रकारों से बात करते हुए पायलट ने कहा कि उपराष्ट्रपति देश का दूसरा सबसे बड़ा संवैधानिक पद होता है। भाजपा और केंद्र सरकार ने लगातार संवैधानिक पदों और संस्थाओं का दुरुपयोग किया है। पायलट ने इस बात पर जोर देते हुए कि ऐसी स्थिति में औपचारिक विदाई आम बात है। उन्होंने कहा कि पर्दे के पीछे निश्चित रूप से कुछ ऐसा हुआ है जिसके कारण उन्हें अप्रत्याशित इस्तीफा देना पड़ा। निर्दलीय उम्मीदवार नरेश

मीणा के नेतृत्व में 'भ्रष्टाचार विरोधी' पदयात्रा के बारे में पायलट ने कहा कि सभी को अपने अधिकारों की वकालत करने का अधिकार है।

मीणा ने पिछले साल टोंक जिले के देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव लड़ा था और एक उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को थप्पड़ मारने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। कुछ दिन पहले ही राजस्थान उच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत दी थी। पायलट ने सवाल किया कि यह अच्छी बात है कि युवा बोल रहे हैं, लेकिन क्या जयपुर और दिल्ली में बैठे नेता उनकी परवाह करते हैं? उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र में लोगों के लिए शांतिपूर्वक और सद्भावना के साथ अपने विचार व्यक्त करना बेहतर होता है। पायलट ने आगे कहा जो लोग युवाओं की बात करते हैं, उन्हें उन्हें उनके पूरे अधिकार देने चाहिए और उनके लिए काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री के पास इसके लिए समय नहीं है क्योंकि वह विदेश यात्राओं में बहुत व्यस्त हैं।

एसआईआर पर एनएसयूआई का पटना में बवाल

पटना, 24 जुलाई। कांग्रेस से संबद्ध भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को चुनावी राज्य बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद, पटना में पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स हटाने की कोशिश करने पर कार्यकर्ताओं पर पानी की बौछारें की गईं और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। विरोध प्रदर्शन में मौजूद कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने बढ़ती बेरोजगारी पर जवाब न दे पाने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना की और कहा कि राज्य अराजकता और अराजकता की स्थिति में पहुँच गया है।

कांग्रेस नेता ने एएनआई को बताया कि युवा नौकरी और रोजगार की माँग कर रहे हैं और पलायन के खिलाफ हैं। बिहार में अराजकता और अराजकता का माहौल है। सरकार जवाब और स्पष्टीकरण देने में असमर्थ है, इसलिए अब कांग्रेस के पास विरोध प्रदर्शन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।₹ धरना स्थल पर मौजूद पटना के अतिरिक्त ज़िला मजिस्ट्रेट - कानून व्यवस्था (एडीएम) गोविंद पांडे ने कहा कि सड़क को साफ करना होगा, अन्यथा स्कूल बसें रोक दी जाएँगी। उन्होंने बताया कि विरोध प्रदर्शन के कारण एक एम्बुलेंस पहले से ही पीछे फँसी हुई है। पटना के एडीएम ने एएनआई को बताया कि इलाका ऐसा है कि स्कूल बसों के आने का समय हो

पुलिस ने वाटर कैनन चलाए, कांग्रेस का केंद्र पर निशाना

गया है, लेकिन कोई अनुमति वगैरह नहीं है। हमें सड़क खाली करानी है, स्कूल बसें और एक एम्बुलेंस पीछे से रुकी हुई हैं, अगर आप देखें तो... सभी को हिरासत में लिया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन के दौरान, एनएसयूआई कार्यकर्ता पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को धक्का देते और उन पर चढ़ने की कोशिश करते देखे गए, जबकि उन पर पानी की बौछारें की जा रही थीं। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच, अधिकारियों ने बैरिकेड्स को नीचे गिरा दिया और उन सभी अधिकृत प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलने की कोशिश की जो बैरिकेड्स तोड़कर मौके पर धरना देने में कामयाब रहे। इससे पहले आज, राज्य के विपक्षी नेताओं ने इस साल के अंत में होने वाले राज्य चुनावों से पहले भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास के मुद्दे पर बिहार विधानसभा के सामने विरोध प्रदर्शन किया। बिहार चुनाव इस साल के अंत में अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है; हालाँकि, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है। दिल्ली में भी, भारतीय ब्लॉक ने लगातार चौथे दिन संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया, जहाँ सांसद मकर द्वार पर एकत्रित हुए और इस अभ्यास को रोकने की मांग की।

मासूम को मारी गई थी गोली 19 जुलाई को ही दर्ज हो गया था अभियोग, निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत

रियाजुल हक / डॉ.इम्तियाज अहमद

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाना क्षेत्र के उसरहटा गांव के अयान 10 वर्ष पर पिस्टल से अचानक गोली चलती है गोली उसको सीने में लग जाती है ।10 साल के बालक अयान को बिना पुलिस को सूचना दिए बालक का इलाज खेतासराय में एक निजी अस्पताल में करवाते हैं वहां घटना की गंभीरता को देखने के बाद बच्चे को बनारस के एक बड़े निजी अस्पताल में रेफर कर दिया जाता है ।इस बीच अबूसाद पुत्र स्व मंजूर अहमद ग्राम-उसरहटा थाना शाहगंज जौनपुर ने अपनी तहरीर में बताया कि दिनांक 18-07-2025 को समय करीब 4.00 बजे शाम को मिल्तनगर शाहगंज उनका पोता अयान पुत्र अफजल उम्र करीब 10 वर्ष अपने मामा अतिकुर्र रहमान के साथ फैजान पुत्र जिलानी के घर किसी काम से गया हुआ था। वहीं पर आदिल पुत्र बब्बन निवासी अरन्द थाना-शाहगंज जनपद-जौनपुर मौजूद था जिससे किसी बात पर कहासुनी हो गयी थी कि फैजान के घर पर ही अन्य दो तीन और लोग भी थे, फैजान के कहने पर व सब भी वहां मौजूद थे लोगो के कहने पर आदिल ने उसके पोते अयान को जान से मारने की नियत से गोली मार दिया जिससे उसके सीने में

गोली लग गयी वह लोग अयान को इलाज के लिये खेतासराय के एक निजी अस्पताल ले गये थे। जहाँ पर उसका इलाज अभी चल रहा था । मौका पाकर तहरीर लेकर वह थाने आया था। मुकदमा संख्या 258 /19 जुलाई को ही शाहगंज में दर्ज है।

वाराणसी के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान आज उसकी मृत्यु हो गई ।मृत्यु होने के बाद हंगामा खड़ा होता है स्थानीय लोगों को उक्त अस्पताल के क्रियाकलाप को लेकर भी गुस्सा है। पुलिस ने बालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की अग्रिम कार्रवाई के लिए जुट गई है। अब ऐसे में सवाल यह है कि आखिर उस बच्चे को उक्त लोगों ने गोली क्यों मारी इस बारे में कोई भी कुछ बताने से परहेज कर रहा है।

जेडीयू ने पार्टी सांसद गिरधारी यादव को जारी किया कारण बताओ नोटिस

पटना, 24 जुलाई। जेडीयू ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास पर दिए गए बयान को लेकर पार्टी सांसद गिरधारी यादव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में लिखा है कि ऐसे संवेदनशील मामले पर, खासकर चुनावी साल में, आपकी सार्वजनिक टिप्पणियों से न केवल पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है, बल्कि अनजाने में विपक्ष द्वारा लगाए गए निराधार और राजनीति से प्रेरित आरोपों को भी बल मिला है। इससे पहले दिल्ली में बोलते हुए, यादव ने इस प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि उनके पास बिहार के इतिहास और भूगोल का व्यावहारिक ज्ञान नहीं है।

एएनआई से बात करते हुए, यादव ने कहा कि दस्तावेज जमा करने की एक महीने की समय सीमा अव्यावहारिक है, और उन्होंने आवश्यक दस्तावेज इकट्ठा करने में 10 दिन लगने का अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा किया।

उन्होंने प्रवासी मतदाताओं, जिनमें उनका अपना बेटा भी शामिल है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में रहता है, को निर्धारित समय सीमा के भीतर हस्ताक्षर आवश्यकताओं का पालन करने में आने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डाला। यादव ने आरोप लगाया कि जमीनी हकीकत पर विचार किए बिना एसआईआर प्रक्रिया लागू की गई है, और सुझाव दिया कि इस प्रक्रिया के लिए कम से कम छह महीने का समय दिया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को कोई व्यावहारिक ज्ञान नहीं है। उसे न तो बिहार का इतिहास पता है और न ही भूगोल। मुझे सभी दस्तावेज इकट्ठा करने में 10 दिन लग गए। मेरा बेटा अमेरिका में रहता है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

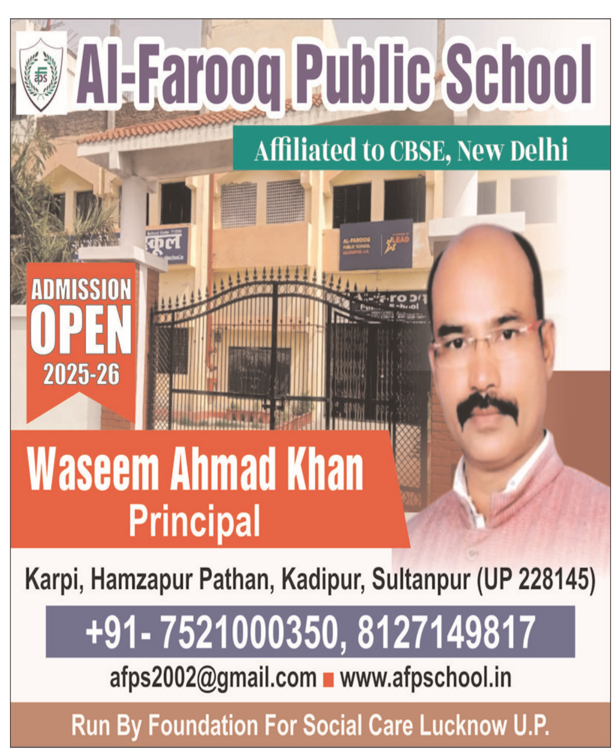

भूखमरी है विकास के विरोधाभासी स्वरूप की भयावह तस्वीर

-ललित गर्ग

विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की हालिया रिपोर्ट ने एक बार फिर वैश्विक समुदाय को चेताया है कि धरती पर करोड़ों लोग आज भी भूख, कुपोषण और खाद्य असुरक्षा के शिकंजे में जकड़े हुए हैं। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि एक वैश्विक त्रासदी की दास्तान है, जो यह सोचने पर मजबूर करती है कि इक्कीसवीं सदी के इस तथाकथित ह्यविकसितह्न दौर में भी हम उस प्राथमिक आवश्यकता-भोजन को सुनिश्चित नहीं कर सके हैं, जो किसी भी आदर्श शासन-व्यवस्था एवं सभ्यता की बुनियादी कसौटी है। एफएओ के अनुसार, दुनिया भर में 70 करोड़ से अधिक लोग गंभीर भूख का शिकार हैं, जबकि करीब 2 अरब लोग मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं। अफ्रीका, दक्षिण एशिया, लैटिन अमेरिका और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में हालात और भी बदतर हैं। बच्चों में कुपोषण और स्टंटिंग (विकास अवरोध) की दरें चिंताजनक हैं।

समूची दुनिया में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी के विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई जैसी तकनीक की नई-नई मिसाल कायम की जा रही हैं। किसी अन्य ग्रह पर जीवन की खोज करने या फिर भविष्य में चांद पर बस्ती बसाने के दावे भी किए जा रहे हैं। मगर, क्या वास्तव में विकास का पैमाना यही है? विकास की इस धारा में इंसान एवं इंसान की मूलभूत जरूरतें कहां है? यह कैसा विकास है कि जिसमें विसंगतियां एवं विरोधाभास ही अधिक है। एक तरफ विभिन्न देश तकनीक के सहारे खुद के ताकतवर एवं साधन संपन्न होने का दावा कर रहे हैं, तो दूसरी ओर दुनिया में करोड़ों लोग भुखमरी, बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। बढ़ती भूखमरी एवं कुपोषण आधुनिक विकास पर एक बदनुमा दाग है। इस वैश्विक संकट की जड़ में केवल खाद्यान्न की कमी नहीं, बल्कि युद्ध, आंतरिक संघर्ष, आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता जैसी स्थितियां गहराई से जिम्मेदार हैं।

यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते गेहूं, तेल, उर्वरक और अन्य खाद्य सामग्री की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है। अफगानिस्तान, सीरिया, सूडान, यमन और सोमालिया जैसे देशों में वर्षों से चल रहे युद्धों ने लाखों लोगों को बेघर, बेरोजगार और भूखा बना दिया है। अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में आंतरिक संघर्ष और जलवायु आपदाएं खाद्य संकट को और विकराल बना रही हैं। भुखमरी के वैसे तो कई कारण हो सकते हैं, लेकिन दो देशों के बीच युद्ध और आंतरिक संघर्ष प्रमुख है। इन दो कारणों से ही बीस देशों में करीब 14 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। जाहिर है, लगातार जारी युद्धों, अंतरराष्ट्रीय संघर्षों एवं आतंकवाद की वजह से हालात और ज्यादा बदतर हो रहे हैं। युद्ध प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को राहत के तौर पर खाद्य सामग्री पहुंचाने में भी तरह-तरह की अड़चनों की खबरें भी आती रहती हैं। इस तरह के प्रयास वास्तव में मानवीय संवेदनाओं के दम तोड़ देने द्योतक हैं।

जलवायु परिवर्तन, बाढ़, सूखा, चक्रवात और असामयिक वर्षा जैसे कारक कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहे हैं। भारत, नेपाल, पाकिस्तान, जैसे देशों के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में मानसून के दौरान होने वाली आपदाएं किसानों की मेहनत को तबाह कर देती हैं। इससे खाद्यान्न उत्पादन घटता है, महंगाई बढ़ती है और आम आदमी की थाली सूखने लगती है। संसाधनों के अभाव और संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की डगर जटिल से जटिलतर हो गई है। रपट में सामने आया है कि 2024 में लगातार छठे वर्ष दुनिया में गंभीर खाद्य संकट और बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष 53 देशों या क्षेत्रों के 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा वर्ष 2023 के मुकाबले 1.37 करोड़ अधिक है। यानी सुधार के बजाय स्थिति पहले से कहीं अधिक खराब हो गई है।

आधुनिक विकास के प्रारूप पर चिन्तन करना होगा। यह विचारणीय प्रश्न है कि विकास के इस प्रारूप में बड़े-बड़े मॉल बन रहे हैं, शहरों में चमचमाती इमारतें खड़ी हो रही हैं, तकनीक और एआई की बात हो रही है, लेकिन दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों में लोग दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। भुखमरी बढ़ रही है, कुपोषण आम होता जा रहा है, बेरोजगारी चरम पर है, महंगाई ने गरीब की थाली से दाल-सब्जी गायब कर दी है। विकास का यह विरोधाभासी चेहरा दिखाता है कि संसाधनों का वितरण असमान है और नीतियां गरीबों की भूख मिटाने की बजाय अमीरों की संपत्ति बढ़ाने में लगी हैं। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजीएस) में 2030 तक ह्यभूखमुक्त विश्वह्न का सपना देखा गया था, लेकिन वर्तमान हालात यह संकेत दे रहे हैं कि हम इस लक्ष्य से दूर होते जा रहे हैं। गरीब देशों को खाद्य सहायता की आवश्यकता है, लेकिन विकसित राष्ट्र अपने राजनीतिक एवं आर्थिक स्वार्थों में उलझे हुए हैं। कृषि को प्राथमिकता देने के बजाय, हम स्मार्ट सिटी, हाईवे और बुलेट ट्रेन जैसे प्रोजेक्ट में संसाधन झोंक रहे हैं।

महंगाई और बेरोजगारी से उपजी विकट आर्थिक स्थितियां भी भुखमरी के लिए जिम्मेदार हैं। रपट में कहा गया है कि इन दोनों कारणों से पंद्रह देशों में 5.94 करोड़ लोगों का जीवन संकट में है। इसके अलावा, सूखा और बाढ़ ने 18 देशों में 9.6 करोड़ लोगों को खाद्य संकट में धकेल दिया है। अधिक चिन्ताजनक यह है कि इन लोगों को खाद्य एवं पोषण सहायता के लिए मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मदद में भी भारी गिरावट आई है। ऐसा लगता है कि वैश्विक मदद और राजनीतिक इच्छाशक्ति की सांसें धीरे-धीरे उखड़ रही हैं। ऐसे में जबरन विस्थापन भुखमरी के संकट को और बढ़ा रहा है। इस जटिल से जटिलतर होती समस्या के समाधान के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। इन प्रयत्नों में सबसे जरूरी है कि स्थायी कृषि नीति बनानी होगी जिसमें जल संरक्षण, जैविक खेती और छोटे किसानों की सुरक्षा पर बल दिया जाए। युद्ध और संघर्षों का समाधान कूटनीति और संवाद से निकाला जाए, क्योंकि सबसे बड़ी कीमत आम जनता चुकाती है। भोजन के अधिकार को मौलिक अधिकार की तरह लागू किया जाए, और सभी देश एक वैश्विक खाद्य भंडारण व वितरण प्रणाली विकसित करें। गरीबी उन्मूलन पर ठोस योजनाएं बनें, ताकि लोग आत्मनिर्भर बनें और भीख या राहत पर निर्भर न रहें। महंगाई पर नियंत्रण, और गरीबों को सब्सिडी आधारित खाद्यान्न व्यवस्था को और मजबूत करना होगा।

एफएओ की रिपोर्ट में एक और भयावह तस्वीर सामने आती है कि दुनिया भर में उनतीस करोड़ से अधिक लोग ऐसे हालात में जी रहे हैं, जहां उनके लिए एक वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल है। साफ है कि समाज का सबसे कमजोर तबका आज भी संघर्ष, महंगाई, प्राकृतिक आपदा और जबरन विस्थापन जैसी समस्याओं के चक्रव्यूह में कैद है। यदि हमने समय रहते भूख, गरीबी और खाद्य असुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी, तो हम विकास के उस नक्शे पर एक गहरा धब्बा छोड़ेंगे, जिसमें ऊंची इमारतें तो होंगी लेकिन उनके नीचे भूख से दम तोड़ते इंसान भी होंगे। ह्यएक रोटी की कीमत तब समझ आती है, जब भूख कई रातों से जाग रही होह्न-इसलिये अब समय है कि हम विकास के मायने बदलें ताकि हर थाली में भोजन हो, हर बच्चा कुपोषण से मुक्त हो, और भूख इतिहास की बात बन जाए, वर्तमान की नहीं। विकास की इक्कीसवीं सदी में भी अगर भुखमरी, कुपोषण एवं खाद्य संकट की समस्या विकराल होती जा रही है, तो यह व्यवस्था के साथ-साथ मानवता के लिए भी खतरे की घंटी है। इस समस्या से निपटने के लिए जरूरी है कि संकटग्रस्त इलाकों में स्थानीय खाद्य प्रणालियों और पोषण सेवाओं में निवेश पर जोर दिया जाए। समय आ गया है कि विभिन्न देशों की सरकारें जनकल्याण की योजनाओं की व्यापक समीक्षा करें और भुखमरी को दूर करने के लिए उचित एवं प्रभावी उपाय किए जाएं।

कौन होगा अगला उपराष्ट्रपति-अटकलें तेज , क्या इंडिया ब्लॉक भी

अशोक भाटिया

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद देश में उपराष्ट्रपति पद के लिए मध्यावधि चुनाव की स्थिति आ गई है। संविधान में उपराष्ट्रपति के कर्तव्यों के निर्वहन के लिए कार्यवाहक का प्रावधान नहीं है इसलिए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह उनकी अनुपस्थिति में सदन की अध्यक्षता करेंगे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के सोमवार रात दिए गए इस्तीफे से देश का दूसरा सबसे बड़ा संवैधानिक पद खाली हो गया है। इसका मतलब है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए मध्यावधि चुनाव की नौबत आ गई है। वे भारत के इतिहास में कार्यकाल पूरा होने से पहले इस्तीफा देने वाले केवल तीसरे उपराष्ट्रपति हैं ।इससे पहले वीवी गिरि और आर वेंकटरमन ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अपने पद से इस्तीफा दिया था, जिसके बाद क्रमशः गोपाल स्वरूप पाठक और शंकर दयाल शर्मा उपराष्ट्रपति बने थे। भारतीय संविधान में कार्यवाहक उपराष्ट्रपति का प्रविधान नहीं है। हालांकि, उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति भी होते हैं ।

राष्ट्रपति पद के लिए, संविधान के अनुसार रिक्त पद को छह महीने के भीतर भरना आवश्यक है लेकिन उपराष्ट्रपति पद के लिए ऐसी कोई निश्चित समय-सीमा नहीं है। केवल यह आवश्यक है कि पद रिक्त होने के बाद यथाशीघ्र चुनाव कराए जाएं। चुनाव आयोग कार्यक्रम की घोषणा करेगा। यह चुनाव राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 के तहत होता है। परंपरा के अनुसार, संसद के किसी भी सदन के महासचिव को बारी-बारी से निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया जाता है ।ये चुनाव इसलिए हो रहा है क्योंकि जगदीप धनखड़ ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है, लेकिन नया उपराष्ट्रपति पदभार ग्रहण करने की तिथि से पूरे पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगा न कि केवल धनखड़ का शेष कार्यकाल।

उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों और मनोनीत सदस्यों से मिलकर बने एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है। राष्ट्रपति चुनाव के विपरीत, इसमें राज्य विधानसभाएं भाग नहीं लेतीं। यह चुनाव संसद भवन में आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार गुप्त मतदान द्वारा सिंगल ट्रांसफरेबल वोट के माध्यम से किया जाता है। प्रत्येक सांसद उम्मीदवारों को वरीयता क्रम के हिसाब से वोट डालता है ।निर्वाचित होने के लिए, किसी उम्मीदवार को न्यूनतम आवश्यक मतों की संख्या प्राप्त करनी होती है, जिसे कोटा कहा जाता है। इसकी गणना कुल वैध मतों की संख्या को दो से विभाजित करके और एक जोड़कर की जाती है। यदि पहले चरण में कोई भी उम्मीदवार कोटा पार नहीं करता है, तो सबसे कम प्रथम वरीयता वाले मत पाने वाले उम्मीदवार को हटा दिया जाता है, और उनके मत द्वितीय वरीयता के आधार पर शेष उम्मीदवारों को हस्तांतरित कर दिए जाते हैं। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है जब तक कि एक उम्मीदवार कोटा पार नहीं कर लेता। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति को भारत का नागरिक होना चाहिए, कम से कम 35 वर्ष का होना चाहिए, राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के योग्य होना चाहिए और किसी भी संसदीय क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत होना चाहिए। उन्हें राष्ट्रपति, राज्यपाल या मंत्री जैसे पदों को छोड़कर, केंद्र या राज्य सरकारों के अधीन किसी भी लाभ के पद पर नहीं होना चाहिए।

जगदीप धनखड़ का अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज होने के बाद अब इस अहम पद के लिए नए नामों की चर्चा शुरू हो गई है और कई बड़े लोगों के नाम पहले ही सामने आ चुके हैं। अब इसमें एक और चौंकाने वाला नाम जुड़ गया है झ केंद्रीय राज्य मंत्री और जेडीयू सांसद रामनाथ ठाकुर। बुधवार शाम को उन्होंने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की, जिसके बाद अटकलें और तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि एनडीए रामनाथ ठाकुर को इस पद पर बैठाकर कई सियासी संदेश देना चाहती है, खासतौर पर बिहार विधानसभा चुनाव से पहले।

ज्ञात हो कि रामनाथ ठाकुर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी नेता कपूर्री ठाकुर के बेटे हैं। वह राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हैं, और कई अहम पदों पर रह चुके हैं। वे लालू यादव की पहली कैबिनेट में गन्ना मंत्री रह चुके हैं और बाद में 2005 से 2010 तक नीतीश सरकार में कैबिनेट मंत्री भी बने। इस समय वे मोदी सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री हैं। उनके पिता को हाल ही में भारत रत्न से नवाजा गया है, जिससे उनके परिवार का राजनीतिक कद और बढ़ गया है। उपराष्ट्रपति पद की रेस में उनका नाम आना बिहार की राजनीति को एक नई दिशा दे सकता है।

एनडीए सरकार को इस समय जेडीयू और टीडीपी जैसे सहयोगी दलों का समर्थन प्राप्त है। ऐसे में यदि जेडीयू के किसी नेता को उपराष्ट्रपति बनाया जाता है, तो यह न सिर्फ गठबंधन को मजबूती देगा बल्कि बिहार में एनडीए को चुनाव से पहले बड़ा फायदा भी मिलेगा। नीतीश कुमार खुद इस पद की रेस से बाहर दिख रहे हैं क्योंकि वे शायद ही अभी मुख्यमंत्री पद छोड़ना चाहें। ऐसे में रामनाथ ठाकुर का नाम ठऊअ के लिए एक परफेक्ट बैलेंस हो सकता है झ नीतीश खुश, गठबंधन मजबूत और बिहार में बड़ा राजनीतिक संदेश।

रामनाथ ठाकुर के अलावा भी कई और नाम संभावित उपराष्ट्रपति की रेस में हैं। इनमें हरिवंश नारायण सिंह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा जैसे नाम सामने आए हैं। हालांकि, बीजेपी की रणनीति को देखते हुए किसी चौंकाने वाले नाम की घोषणा भी मुमकिन है। मोदी सरकार अक्सर आखिरी वक्त में ऐसा नाम सामने लाती है जिसकी उम्मीद कम ही होती है। अब सबकी निगाहें बीजेपी की ओर हैं कि अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा झ क्या रामनाथ ठाकुर पर दांव चलेगी बीजेपी?

गौरतलब है कि हैरान बीजेपी के अंदर भी कुछ अलग चर्चाओं का दौर जारी है। अलग-अलग खेमे में अलग-अलग अटकलें लगाई जा रही हैं। मसलन, जब एनबीटी ऑनलाइन ने दिल्ली में बीजेपी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी से बात की तो उन्होंने नाम की गोपनीयता की शर्त पर कहा कि 'हो सकता है कि यह चुनाव बिहार विधानसभा चुनाव तक टल जाए। क्योंकि, इसे करवाने की इतनी जल्दी नहीं लग रही।' उन्होंने संभावना जताई कि 'अगर बिहार चुनाव तक यह टल जाता है तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के भावी प्रत्याशी हो सकते हैं।' लेकिन, उन्होंने सबसे ज्यादा जोर राज्यसभा के उपसभापति हरवंश के नाम पर दिया। उनका कहना है कि 'नीतीश की जेडीयू अबकी बार जो एनडीए में आई है तो उसमें हरिवंश ही बड़े किरदार रहे हैं।' इसके साथ ही उन्होंने एक तरह से दावा किया कि जो भी होगा, वह 'बिहार का हो सकता है।'इधर कांग्रेस के नेता उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की ओर से संयुक्त उम्मीदवार उतारने के संकेत दे रहे हैं। इसे सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव के नए दौर का संकेत माना जा रहा है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने मीडिया से कहा कि यह एक चुनाव की प्रक्रिया नहीं, वैचारिक लड़ाई है। हम सरकार के कदम का इंतजार कर रहे हैं और इंडिया ब्लॉक ही नहीं, इससे बाहर के विपक्षी दलों से भी बातचीत कर रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों का यह भी दावा है कि उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ का इस्तीफा सामान्य नहीं है ।कांग्रेस सूत्रों का यह भी कहना है कि न फेयरवेल हुआ, ना ही फेयरवेल स्पीच। बस अचानक एग्जिट हो गई। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार वार्ता की। कांग्रेस का मानना है कि राज्यसभा में विपक्ष की रणनीति से जो राजनीतिक तूफान आया, उसमें फंसकर जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया है ।विपक्ष के सूत्रों की मानें तो राज्यसभा में दो जजों के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाए गए थे। एक जस्टिस यशवंत वर्मा और दूसरा जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ। जगदीप धनखड़ ने इन्हें स्वीकार करने से बचने के लिए इस्तीफा दिया होगा। सोमवार को जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से पहले क्या घटनाक्रम हुए, विपक्षी नेताओं ने इसे लेकर भी जानकारी दी है।

कांग्रेस के संसदीय रणनीति समूह के एक वरिष्ठ सदस्य ने मीडिया को बताया कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं के बीच अभी तक कोई औपचारिक या अनौपचारिक चर्चा तो नहीं हुई है, लेकिन यह समझ है कि गठबंधन एनडीए जिसे भी चुनेगा, उसके खिलाफ चुनाव लड़ेगा। कांग्रेस के इस दिग्गज ने कहा, (इंडिया गठबंधन से उम्मीदवार चुनने पर) चर्चा जल्द ही होगी और हम निश्चित रूप से अन्य विपक्षी दलों से संपर्क करेंगे, जो औपचारिक रूप से इंडिया ब्लॉक का हिस्सा नहीं हैं, जिनमें हाल ही में छोड़ने वाले दल (यानि आप) भी शामिल हैं, ताकि उनका समर्थन हासिल किया जा सके। जहां तक मुझे पता है, कांग्रेस आलाकमान हमारे किसी नेता को उम्मीदवार के रूप में चुनने के लिए तब तक दबाव नहीं डालेगा जब तक कि हमारे सहयोगियों की ओर से इस आशय का कोई सुझाव न हो। प्राथमिकता कांग्रेस उम्मीदवार को मैदान में उतारना नहीं है, बल्कि एक ऐसे उम्मीदवार को खड़ा करना है जिसका समर्थन पूरा गठबंधन करने को तैयार हो। उन्होंने कहा, हम 2022 जैसी स्थिति दोबारा नहीं चाहते (जब मार्गरेट अल्वा की उम्मीदवारी ने ममता बनर्जी को नाराज कर दिया था, जिन्होंने अपने टीएमसी सांसदों को उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूर रहने का निर्देश दिया था, जबकि बंगाल के राज्यपाल के रूप में धनखड़ के कार्यकाल के दौरान उनकी पार्टी और सरकार के उनके साथ कटु संबंध थे)।

भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट की भूमिका?

संजीव ठाकुर

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में जहां की आबादी 141 करोड़ है इन परिस्थितियों में रोबोट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता कितनी सार्थक होगी यह एक बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। भारत में बेरोजगारी चरम सीमा पर है ऐसे में रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस देश के युवाओं का हक छिनता नजर आता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक और रोबोट को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।

अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे हो चुकें हैं पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर सिमटे न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्त्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है ।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं। विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं. खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें' यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है' यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं' दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं' आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है' एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपोगेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

यूपी में सियासी संग्राम मस्जिद में मुलाकात बनाम कांवड़ पर पुष्पवर्षा

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति फिर से धार्मिक और सामाजिक रंगों में रंगती दिख रही है। यह कोई अचानक उभरा मुद्दा नहीं है, बल्कि सावन की सोंधी हवा में हरा और भगवा का टकराव पहले से कहीं अधिक तीखा हो चुका है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके सांसदों की संसद भवन के पास मस्जिद में हुई एक मुलाकात की तस्वीरों ने सियासी गलियारों में तूफान ला दिया है। वहीं दूसरी ओर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर रहे हैं और हिंदुत्व की राजनीति को और प्रखर बना रहे हैं। ये घटनाएं इशारा कर रही हैं कि 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी अब पूरी ताकत के साथ शुरू हो चुकी है, और इसका थीम पहले से तय हो गया है हरा बनाम भगवा।23 जुलाई को संसद भवन के बगल की मस्जिद में अखिलेश यादव, मोहिबुल्ला नदवी, धर्मेंद्र यादव, डिंपल यादव और जिया उर रहमान बर्क के साथ बैठते हुए तस्वीरें सामने आईं। तस्वीरों में दो महिलाएं भी नजर आईं, जिनमें से एक को मैनपुरी सांसद डिंपल यादव और दूसरी को कैराना सांसद इकरा हसन बताया गया। भाजपा ने तुरंत इस मुद्दे को तूल दिया। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि अखिलेश ने संसद के बगल स्थित एक धार्मिक स्थल को राजनीतिक बैठक के लिए प्रयोग किया, जो संविधान का उल्लंघन है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उन्हें ह्यनमाजवादीह्न कह दिया और तीखा तंज कसा। उनका कहना था कि किसी भी धार्मिक स्थल का राजनीतिक इस्तेमाल संविधान के खिलाफ है और समाजवादी पार्टी बार-बार इसकी अनदेखी करती रही है।

इतना ही नहीं, भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने डिंपल यादव के परिधान पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि जब मस्जिद में गई थीं तो उन्हें सिर ढंकना चाहिए था। इस बयान को सपा ने तूल देने की कोशिश बताया और इसे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की साजिश करार दिया। अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि आस्था का मतलब जोड़ना होता है, जबकि भाजपा समाज में दूरियां पैदा करना चाहती है। उन्होंने साफ किया कि यह कोई राजनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि एक सामाजिक मुलाकात थी जिसमें मोहिबुल्ला नदवी की पत्नी भी मौजूद थीं ।उधर, भाजपा ने मोर्चा खोलते हुए कहा कि मस्जिद को सपा कार्यालय बना दिया गया है। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा कि मस्जिदें सिर्फ इबादत का स्थल हैं, उन्हें राजनीति का मंच नहीं बनाया जा सकता। वहीं कई मुस्लिम धार्मिक संगठनों ने भी इस मुद्दे पर असहमति जताई और मोहिबुल्ला नदवी से इस्तीफे की मांग कर डाली। मस्जिद की राजनीति ने दोनों पक्षों को न सिर्फ आक्रामक बना दिया है, बल्कि अब धार्मिक संगठनों की नाराजगी भी सपा के लिए एक नई चुनौती बन गई है।

इस विवाद के बीच योगी आदित्यनाथ की सरकार ने सावन के महीने में कांवड़ यात्रा को भव्य रूप देने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। हेलिकॉप्टर से कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की गई, जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए और विशेष पुलिस बंदोबस्त किए गए। मुख्यमंत्री ने मेरठ और मुजफ्फरनगर में हवाई निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और कांवड़ियों पर फूल बरसाए। उन्होंने चेतावनी भी दी कि कांवड़ यात्रा के नाम पर उपद्रव फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और उनकी पहचान सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उनके हिंदुत्व एजेंडे का विस्तार है ।वहीं समाजवादी पार्टी ने इसे 'दिखावा' करार दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पिछले 11 सालों से केंद्र में और 9 साल से यूपी में सरकार चला रही है, लेकिन कांवड़ियों के लिए कोई स्थायी ढांचा नहीं बना सकी। उन्होंने ऐलान किया कि सत्ता में आने पर सपा सरकार कांवड़ियों के लिए विशेष कॉरिडोर बनाएगी। इतना ही नहीं, समाजवादी पार्टी अब भाजपा के हिंदुत्व एजेंडे को चुनौती देने के लिए खुद मैदान में उतर आई है। कैराना की सांसद इकरा हसन कांवड़ सेवा शिविर में पहुंचीं और शिवभक्तों को प्रसाद वितरित किया। उनका भगवा पटका पहनकर प्रसाद बांटते हुए वीडियो वायरल हुआ। उन्होंने कहा कि देश की साझा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए वे हर धर्म का सम्मान करती हैं।

इस धार्मिक और राजनीतिक खींचतान के बीच यूपी की राजनीति का 2027 मॉडल धीरे-धीरे आकार ले रहा है। सपा का पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉमूर्ला और भाजपा का हिंदुत्व + विकास का एजेंडा आमने-सामने खड़े हैं। समाजवादी पार्टी के नेता मंदिरों में दर्शन कर रहे हैं तो भाजपा कांवड़ यात्रा को प्रशासनिक और धार्मिक दोनों स्तर पर भव्य बना रही है। इटावा में अखिलेश यादव ने केदारेश्वर महादेव मंदिर का उद्घाटन कर यह संकेत दिया है कि वे भी हिंदू आस्था के मैदान में कदम रख चुके हैं। वहीं भाजपा सरकार काशी, अयोध्या और मथुरा में कॉरिडोर निर्माण के जरिए धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है ।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने भाजपा को झटका दिया। सपा ने 37 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 33 पर सिमट गई। अब अखिलेश यादव इस लय को विधानसभा चुनाव तक बनाए रखना चाहते हैं। पीडीए समीकरण के तहत वह गैर-यादव पिछड़ी जातियों, दलितों और मुसलमानों को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर दांव लगाते हुए हिंदुत्व और विकास का दोहरा कार्ड खेल रही है।

प्रदेश में भाजपा की राजनीति हमेशा हिंदुत्व केंद्रित रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फैसले, चाहे वह ढाबों के नाम बदलना हो या कांवड़ यात्रा को सरकारी संरक्षण देना इन सबका मकसद हिंदू वोट बैंक को अपने पक्ष में बनाए रखना है। वहीं समाजवादी पार्टी खुद को गंगा-जमुनी तहजीब की पार्टी बताकर भाजपा की धर्म आधारित राजनीति का विकल्प बनाना चाहती है। यही वजह है कि एक तरफ डिंपल यादव मस्जिद में नजर आती हैं तो दूसरी ओर इकरा हसन भगवा पटका पहनकर कांवड़ियों की सेवा करती दिखती हैं ।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, प्रसाद मौर्य और अमित मालवीय जैसे नेताओं ने अखिलेश यादव को सोशल मीडिया पर घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ा। मौर्य ने तो यहां तक कह दिया कि अखिलेश मस्जिद गए, लेकिन सफेद जालीदार टोपी लगाना भूल गए। भाजपा के इन बयानों से साफ होता है कि वह अखिलेश को मुस्लिम तुष्टिकरण के चक्रव्यूह में फंसाने की तैयारी में है ।जाहिर है, उत्तर प्रदेश की राजनीति में धर्म और आस्था अब केवल निजी भावना नहीं रह गई है, बल्कि यह रणनीति और एजेंडे का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। मस्जिद से लेकर मंदिर, कांवड़ यात्रा से लेकर टोपी और पटके तक हर चीज का राजनीतिक मतलब निकाला जा रहा है। हरा और भगवा के बीच की यह लड़ाई अब केवल तस्वीरों और बयानों तक सीमित नहीं, बल्कि गांव-देहात के मतदाता तक पहुंचने लगी है। 2027 का विधानसभा चुनाव जब भी होगा, उसकी सियासी जमीन आज तैयार हो चुकी है। और यह भी तय है कि इस बार की लड़ाई महज दलों की नहीं होगी, बल्कि विचारधाराओं की, प्रतीकों की और पहचान की होगी।

पियाजियो ने आपे ई-सिटी अल्ट्रा और आपे ई-सिटी एफएक्स मैक्स लॉन्च किया

पटना। पियाजियो व्हीकल्स प्रा. लि. (पीवीपीएल) ने अपनी नई 2025 आपे इलेक्ट्रिक ईवी रेंज लॉन्च की, जिसमें दो नए मॉडलों आपे ई-सिटी अल्ट्रा और आपे ई-सिटी एफएक्स मैक्स को शामिल किया गया है। ये उन्नत इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर, ब्रांड की यात्री वाहन श्रृंखला को और मजबूती देते हैं और अंतिम मील की यात्रा के लिए बेहतरीन परफॉर्मेंस और भरोसेमंद समाधान पेश करते हैं। आपे ई-सिटी अल्ट्रा की खासियत इसकी मजबूत फुल मेटल बॉडी, 10.2 केडब्लूएच की एडवांस्ड एलएफपी बैटरी और स्मार्ट टेलीमैटिक्स है, जो इसे शहरी उपयोग के लिए एक आधुनिक और टिकाऊ विकल्प बनाते हैं। वहीं आपे ई-सिटी एफएक्स मैक्स, अपने सेगमेंट में 30 एनएम का अग्रणी टॉर्क और स्मार्ट एनर्जी मॉनिटरिंग फीचर के साथ लंबी बैटरी लाइफ और लगातार शानदार प्रदर्शन सुनिश्चित करता है। इस अवसर पर पियाजियो व्हीकल्स प्रा. लि. के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डिएगो ग्राफी ने कहा, भारत तेजी से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर अग्रसर है और थ्री-व्हीलर इस बदलाव की अगुवाई कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि इलेक्ट्रिक वाहन शहरी परिवहन को नया रूप देने और आजीविका सुधारने का बड़ा अवसर हैं।

एक ही दिन में एसीबी के जाल में फंसे केडीएमसी के तीन अधिकारी

◆अब तक केडीएमसी के 47 अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जा चुके हैं

कल्याण(उत्तरशक्ति)। केडीएमसी के तीन अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए हैं। इससे केडीएमसी क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पालिका के जल एवं मल विभाग के रवींद्र अहिरे को एक डेवलपर से 40,000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, मुख्य स्वच्छता अधिकारी वसंत देगलुरकर और प्रभारी स्वच्छता अधिकारी सुदर्शन जाधव एक बीमार कर्मचारी को काम पर वापस लाने के लिए 20,000 रुपये लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। इस घटना से केडीएमसी में भ्रष्ट प्रबंधन की पोल एक बार फिर खुल गई है। अब तक पालिका में 47 अधिकारी और कर्मचारी रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जा चुके हैं।

रवींद्र अहिरे पालिका के जल एवं मल विभाग में उप अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने एक डेवलपर को एनओसी देने के बदले पैसे की मांग की थी। एसीबी ने उन्हें डेवलपर से 40,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। वसंत देगलुरकर और सुदर्शन जाधव दोनों ठोस अपशिष्ट विभाग में मुख्य स्वच्छता अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। ठोस अपशिष्ट विभाग का एक कर्मचारी बीमार था। इन दोनों अधिकारियों ने उसे काम पर वापस रखने के लिए उससे 25,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। इस मामले में, कर्मचारी ने भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के ठाणे डिवीजन में शिकायत की थी। इस शिकायत के अनुसार, भ्रष्टाचार निरोधक विभाग की ठाणे टीम ने प्राप्त शिकायत के आधार पर जाल बिछाया और सर्वोदय मॉल क्षेत्र में स्थित कार्यालत में इन दोनों अधिकारियों को 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। अब तक पालिका में 46 अधिकारियों और कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। इससे साफ जाहिर होता है की केडीएमसी में कितना बड़ा करप्सन छाया हुवा है ।

फेडएक्स का मैजिक बस फाउंडेशन के साथ सहयोग

मुंबई। शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में कार्यरत प्रमुख गैर-लाभकारी संस्था मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन ने दुनिया की अग्रणी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी फेडएक्स एक्सप्रेस के सहयोग से 'साइबर सेफ इंडिया अभियान' की शुरूआत की है। यह राष्ट्रव्यापी पहल युवाओं और समुदायों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और जिम्मेदारीपूर्वक आगे बढ़ने के लिए तैयार करती है। इस अभियान का उद्देश्य साइबर अपराधों की रोकथाम, डिजिटल जागरूकता को बढ़ावा देना और खासकर वंचित समुदायों को सुरक्षित, भरोसेमंद डिजिटल साधनों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कार्यक्रम दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता सहित 13 राज्यों के 29 शहरों में संचालित होगा। मैजिक बस के 130 से अधिक आजीविका केंद्रों और 1,000 से ज्यादा कॉलेजों के नेटवर्क के जरिए यह अभियान दो लाख से अधिक लोगों तक पहुंचेगा। इसके अलावा, नुक्कड़ नाटकों, जागरूकता शिविरों, डिजिटल सुरक्षा सत्रों और स्थानीय साइबर अपराध अधिकारियों के सहयोग से समुदाय स्तर पर भी डिजिटल सुरक्षा की गहरी समझ विकसित की जाएगी। फेडएक्स के मार्केटिंग, कस्टमर एक्सपीरियंस और एयर नेटवर्क के वाइस प्रेसिडेंट (मिडल ईस्ट, इंडियन सबकॉन्टिनेंट और अफ्रीका) नितिन नवनीत टाटीवाला ने कहा, आज के इस हाइपर-कनेक्टेड दौर में साइबर क्राइम के खिलाफ हमारी सबसे बड़ी ताकत जागरूकता है। गृह मंत्रालय के अनुसार अब तक 1.3 मिलियन से अधिक साइबर फ्रॉड मामलों की रिपोर्टिंग के कारण 4,386 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि को सुरक्षित किया जा चुका है। यह दशार्ता है कि जागरूकता और समय पर रिपोर्टिंग साइबर अपराधों की रोकथाम में कितनी प्रभावशाली हो सकती है। फेडएक्स ऐसे अभियानों को समर्थन देने पर गर्व करता है, जो लोगों को सतर्क, सुरक्षित और आत्मविश्वास से भरपूर डिजिटल जीवन जीने में मदद करते हैं। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के ग्लोबल सीईओ जयंत रस्तोगी ने कहा, जैसे-जैसे भारत डिजिटल-फर्स्ट इकोनॉमी की ओर अग्रसर हो रहा है, सुरक्षित और जागरूक डिजिटल भागीदारी पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गई है। फेडएक्स के साथ हमारा सहयोग साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ाने में मदद कर रहा है, जिसे हमने अपने जीवन कौशल और रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहज रूप से शामिल किया है। साइबर सेफ इंडिया अभियान एक समावेशी डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जहां युवा और समुदाय डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रूप से आगे बढ़ सकें। यह उस भविष्य के प्रति हमारे साझा संकल्प को दशार्ता है, जिसमें डिजिटल पहुंच के साथ-साथ डिजिटल सुरक्षा भी सुनिश्चित हो – ताकि हर परिवार इस जुड़ी हुई दुनिया में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सके। भारत की राष्ट्रीय डिजिटल सुरक्षा प्राथमिकताओं के अनुरूप, यह कार्यक्रम संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय के अंतर्गत सी-डैक (सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग) के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही, क्षेत्रीय स्तर पर पहुंच और समन्वय को मजबूत करने के लिए राज्य साइबर सेल्स से भी भागीदारी की जाएगी।

एसबीआई कार्डऔर फोनपे ने की रणनीतिक साझेदारी; लॉच किया को-ब्रांडेड फोनपे एसबीआई कार्ड

मुंबई। भारत के सबसे बड़ी प्योर-प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता एसबीआई कार्ड ने आज फोनपे के साथ मिलकर फोनपे एसबीआई कार्ड लॉन्च करने की घोषणा की। इस नए को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड का लक्ष्य रोजमर्रा के खर्चों पर एक फायदेमंद अनुभव प्रदान करना है, जिसे पूरे भारत में ग्राहकों की बढ़ती वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। यह क्रेडिट कार्ड दो वेरिएंट में आता हैः फोनपे एसबीआई कार्ड पर्पल और फोनपे एसबीआई कार्ड सेलेक्ट ब्लैक, जो ग्राहकों की विभिन्न प्राथमिकताओं और लाइफस्टाइल खर्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। इसके अतिरिक्त, इस कॉन्टैक्टलेस क्रेडिट कार्ड के दोनों वेरिएंट रूपे और वीजा पेमेंट नेटवर्क पर उपलब्ध हैं, जिससे उपभोक्ताओं को उनकी जरूरतों के हिसाब से सबसे अच्छा नेटवर्क चुनने का विकल्प मिलता है। रूपे कार्ड को यूपीआई से भी जोड़ा जा सकता है और देश भर में लाखों यूपीआई मर्चेंट्स के साथ लेनदेन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। वीजा वेरिएंट को फोनपे पर टोकनाइज किया जा सकता है और कई ऑनलाइन मर्चेंट्स के साथ सुरक्षित रूप से इस्तेमाल किया जा सकता है। नए फोनपे एसबीआई कार्ड के साथ, ग्राहक विभिन्न रोजमर्रा के लेनदेन पर रिवॉर्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं, जिसमें किराना, बिल भुगतान, यात्रा बुकिंग, यूटिलिटी भुगतान, बीमा प्रीमियम भुगतान, और ऑनलाइन व ऑफलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर बहुत कुछ शामिल है। फोनपे एसबीआई कार्ड सेलेक्ट ब्लैक कार्डधारक आवश्यक और बार-बार होने वाले फोनपे इन-ऐप लेनदेन पर रिवॉर्ड पॉइंट्स के रूप में 10% तक वैल्यू बैक अर्जित कर सकते हैं। ग्राहक अन्य प्लेटफॉर्म पर अपने सभी ऑनलाइन खर्चों पर रिवॉर्ड पॉइंट्स के रूप में 5% तक वैल्यू बैक भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा फोनपे एसबीआई कार्ड के लिए आवेदन प्रक्रिया को फोनपे ऐप में ही एकीकृत किया गया है।

उल्हासनगर पुलिस ने गुंडों की निकाली बारात

◆डीसीपी सचिन गोरे ने दी जानकारी

◆पुलिस की इस अनोखी कार्रवाई को नागरिकों ने सराहना की

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर में हत्या के प्रयास और छेड़छाड़ जैसे गंभीर अपराध में गिरफ्तार रोहित बिपिन झा और आशिष झा को अदालत से जमानत मिलने के बाद दोनो आरोपी उल्हासनगर अपने घर लौट रहे थे तभी उनके समर्थकों ने ढोल-ताशे के साथ जुलूस निकालते हुए पीड़िता के घर के सामने पटाखे फोड़े और शक्ति प्रदर्शन किया। इस हरकत से इलाके में भय और तनाव का माहौल पैदा हो गया।

आरोपियों की इस हरकत की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई। डीसीपी सचिन गोरे के मार्गदर्शन में दोनों आरोपियों के खिलाफ नई धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें दोबारा गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पुलिस ने इन आरोपियों को उनके ही क्षेत्र में बारात निकालकर घुमाया, ताकि आम जनता के मन से डर खत्म हो और कानून का डर आरोपियों में बना रहे। पुलिस की इस अनोखी कार्रवाई की स्थानीय नागरिकों ने सराहना की और इसे अपराध के खिलाफ एक साहसिक संदेश बताया।

मुंबई में जारी है बारिश का कहर, भांडुप में हुए भूस्खलन से कई घर ढहे

मुंबई। मुंबई में लगातार बारिश के बाद मिट्टी खिसकने से कई घर ढह गए। मुंबई के भांडुप (पश्चिम) में मंगलवार शाम को भूस्खलन की खबर आई, क्योंकि शहर में लगातार भारी बारिश हो रही है। यह घटना ओमेगा स्कूल के सामने, साईं निकेतन सीएचएस के पास, खिंदीपाड़ा इलाके में शाम करीब 7:30 बजे हुई, जहाँ पास की एक पहाड़ी से मिट्टी और कीचड़ नीचे गिर गया। सौभाग्य से, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है क्योंकि खतरा पहचाने जाने से पहले ही घरों को खाली करा लिया गया था। लगभग पचास फीट ऊँची पहाड़ी के चारों ओर एक बड़ा सुरक्षा घेरा बनाया गया था। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अनुसार, मिट्टी के खिसकने के कारण पहले से खाली किए जा चुके दो घरों के कुछ हिस्से ढह गए। इसके जवाब में, एहतियात के तौर पर आस-पास के तीन-चार घरों को भी खाली करा दिया गया। मुंबई अग्निशमन विभाग (एमएफबी), मुंबई पुलिस, एस वार्ड के कर्मचारी और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) सहित आपातकालीन सेवाओं को घटनास्थल पर तैनात किया गया। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया। अंधेरी सबवे जलभराव के कारण कुछ देर के लिए बंद रहा और यातायात को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया गया।

गोदरेज भारत की स्वच्छ तकनीक के यूरोप को निर्यात का समर्थन करता है अपने अब तक के सबसे बड़े कार्बन कैप्चर उपकरण के साथ

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रोसेस इक्विपमेंट व्यवसाय को यूरोप में एक कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण सुविधा के लिए अपने अब तक के सबसे बड़े उपकरण के निर्माण और आपूर्ति का एक अंतरराष्ट्रीय आदेश प्राप्त हुआ है। यह उन्नत उपकरण, उच्च दक्षता से कार्बन डाइऑक्साइड को अलग करने और पकड़ने के लिए डिजाइन किया गया है, जो गोदरेज की क्षमताओं और भारत की सटीक भारी उपकरण निर्माण में बढ़ती प्रमुखता को दशार्ता है। यह कॉलम गोदरेज द्वारा अब तक वितरित सभी उपकरणों से बड़ा होगा, और इसके पैमाने और जटिलता में एक नया मील का पत्थर स्थापित करेगा। वर्तमान में, इस व्यवसाय की 70% आय निर्यात बाजारों से आती है। नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने में हाल ही में आए बदलाव के साथ, कंपनी अपने निर्यात बाजारों को विश्व स्तर पर विविध बना रही है। हाल के वर्षों में, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप विशेष रूप से स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में उन्नत प्रोसेस इक्विपमेंट के लिए एक पसंदीदा आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है। यह उपलब्धि वैश्विक ऊर्जा और औद्योगिक नेताओं को उच्च गुणवत्ता वाले, महत्वपूर्ण प्रोसेस उपकरण प्रदान करने में कंपनी की प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है। हुसैन शरीयार, एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड, प्रोसेस इक्विपमेंट, जो गोदरेज एंटरप्राइजेज का हिस्सा है, ने कहा, गोदरेज में, स्थिरता केवल एक रणनीतिक प्राथमिकता नहीं है—यह एक गहराई से निहित विश्वास है जो हमारे हर काम का मार्गदर्शन करता है। हम मानते हैं कि सार्थक बदलाव भीतर से शुरू होता है, और हमें गर्व है कि हम अपने संचालन, नवाचारों और साझेदारियों में स्थायी प्रथाओं को शामिल करते हैं।

महिलाओं को संगठित व सशक्तिकरण करने के लिये वीर अहिरानी ट्रस्ट मुंबई द्वारा सभा का आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के गोराई रोड बोरीवली शायली इंटरनेशनल स्कूल के वेंकट हाल में मुंबई वीर अहिरानी ट्रस्ट द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिये ट्रस्ट की अध्यक्षा मनोरमा यादव द्वारा सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित छत्तीसगढ़ से पद्मश्री फूलबासन यादव व गुजरात से जहाल अहीर उपस्थित थी । बतादें कि 25 दिसंबर 2025 को होने वाले आभीररास कार्यक्रम को लेकर दूसरी सभा आयोजित की गयी थी । मुंबई में आभीररास की चर्चा देश भर में हो रही है जिसके लिये ट्रस्ट जगह जगह सभाएं कर रही हैं । फूलबासन यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि जब तक

महिलाओं को समाज में बराबर की भागीदारी और नेतृत्व करने का अवसर नहीं मिलेगा समाज का समग्र विकास संभव नहीं है इसलिए समाज अपनी बहन बेटियों को शिक्षित और संगठित होने का अवसर प्रदान करें और महिलाओं के विकास के लिए महिलाओं को समाज का नेतृत्व करने का अवसर देना चाहिये । इस अवसर पर ट्रस्ट की अध्यक्षा मनोरमा यादव , महासचिव पूनम यादव के सराहनीय पहल की प्रशंसा की गयी । उक्त अवसर पर पूर्व नगरसेविका डा. अजंता यादव , मीरा यादव , ऊषा यादव , विंदू यादव , रेखा यादव आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुये अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया । इस अवसर पर एडवोकेट किलाचंद यादव , द्विवेश यादव , जगदीश भूषण यादव , श्यामलाल यादव , झुल्लुर यादव , डा. दृगेश यादव , राजन यादव (फौजी), पूर्व नगरसेविक कमलेश यादव , लालजी यादव , गोविन्द यादव , पंकज यादव , महेन्द्र यादव , बृजेश यादव , पारसनाथ यादव , आरडी यादव , पत्रकार विजय यादव , परमा यादव आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे ।

विप्र फाउंडेशन बोईसर द्वारा समाजसेवी स्वामीनाथ पांडेय को दिया गया पितामह सम्मान

पालघर(उत्तरशक्ति)। विप्र फाउंडेशन बोईसर द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी व जनकल्याण के प्रति समर्पित स्वामीनाथ पांडेय को उनके 70वें जन्मदिवस के मौके पर पितामह सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके दशकों से समाज सेवा और जनहित में किए गए योगदान की सराहना स्वरूप प्रदान किया गया।

इस गरिमामयी अवसर पर पंजाब केमिकल्स के निर्देशक शिवशंकर तिवारी की विशेष उपस्थित में समाज रत्न रविकांत पांडेय के करकमलों द्वारा स्वामीनाथ पाण्डेय को सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित समाजसेवी व गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की, जिनमें प्रमुख रूप से विप्र फाउंडेशन प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, ब्रजेश पांडेय, रामप्रसाद पांडेय, आचार्य एकदेव श्रीनेत्र, एडवोकेट शोभनाथ त्रिपाठी, कुलदीप मिश्र एवं अखिलेश पांडेय आदि सम्मिलित रहे। सभी ने स्वामीनाथ पांडे को जन्मदिवस की मंगलकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना की।

लवलोकल द्वारा क्वॉलिटी कॉमर्स को बढ़ावा

मुंबई। भारत का ऑनलाइन किराना बाजार तेजी से बदल रहा है, और मुंबई की कंपनी लवलोकल एक नए क्वॉलिटी कॉमर्स मॉडल के साथ इसमें नया मानदंड स्थापित कर रही है। यह मॉडल सिर्फ तेज डिलीवरी नहीं, बल्कि गुणवत्ता, भरोसे और स्थानीय दुकानदारों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। लवलोकल का हाइपरलोकल ऐप ग्राहकों को ऐसा अनुभव देने के लिए तैयार किया गया है, जिसमें सुविधा के साथ-साथ विश्वास को प्राथमिकता दी गई है।

बदलते उपभोक्ता रुझानों के बीच, लवलोकल क्वॉलिटी कॉमर्स को बढ़ावा दे रहा है, जो फलों, सब्जियों, मांस, मछली और चुनिंदा किराना उत्पादों की ताजगी और गुणवत्ता की वास्तविक चिंताओं को संबोधित करता है। स्थानीय दुकानों के साथ साझेदारी के जरिए यह सभी ऑर्डर्स पर मुफ्त डिलीवरी और फ्री रिप्लेसमेंट की सुविधा देता है। लवलोकल की वीडियो-आधारित शॉपिंग सुविधा ग्राहकों को वर्चुअली अपनी पड़ोस की दुकान में जाने और वहां मौजूद वस्तुएं देखने का अनुभव देती है। ब्रांड दो घंटे के भीतर डिलीवरी सुनिश्चित करता है, जिससे ताजगी बरकरार रहती है।इसके अलावा, यह स्लॉटेड डिलीवरी और एक्सप्रेस डिलीवरी विकल्प भी शुरू कर रहा है।

लवलोकल की संस्थापक और सीईओ आकांक्षा हजारी ने कहा, ताजा ग्रॉसरी खरीदते समय उपभोक्ता सबसे ज्यादा गुणवत्ता और भरोसे को प्राथमिकता देते हैं। हम इस जरूरत को स्थानीय दुकानों के प्रति लोगों के भरोसे के माध्यम से पूरा कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि एक लाख दुकानों को ऑनलाइन जोड़कर भारत का सबसे बड़ा और समावेशी ई-कॉमर्स नेटवर्क तैयार किया जाए। हमारा मानना है कि खरीदारी का भविष्य किसी दूर दराज गोदाम में नहीं, बल्कि आपके अपने भरोसेमंद दुकानदार के पास है–जहां डिलीवरी न सिर्फ तेज होती है, बल्कि सही भी होती है। यही है क्वॉलिटी कॉमर्स।

लवलोकल अगले 12 महीनों में 15 गुना वृद्धि और 2026 तक कई नए शहरों में विस्तार की योजना पर काम कर रहा है। यह एक ऐसा टेक-सक्षम और बड़े स्तर पर लागू किया जा सकने वाला मॉडल तैयार कर रहा है, जिसका दीर्घकालिक प्रभाव होगा। कंपनी का उद्देश्य है कि लोगों को उनके भरोसेमंद मोहल्ले की दुकानों के जरिए ताजा किराना वस्तुएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएं। अभी भारत में केवल 7% घर ही फल और सब्जियां ऑनलाइन खरीदते हैं। फाइनेंशियल टाइम्स के एक हालिया सर्वेक्षण में शामिल 24,000 भारतीय उपभोक्ताओं में से लगभग 80% ने क्विक कॉमर्स और अन्य इन्वेंट्री-आधारित प्लेटफॉर्म्स से ताजा उत्पाद खरीदने में असंतोष जताया और एक बार फिर अपनी पारंपरिक दुकानों की ओर लौटने लगे हैं। लवलोकल मौजूदा रिटेल नेटवर्क को फुलफिलमेंट हब के रूप में इस्तेमाल करता है, जिससे यह मॉडल न सिर्फ किफायती बनता है, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी प्रभाव डालता है। यह छोटे दुकानदारों को डिजिटल स्टोरफ्रंट, लॉजिस्टिक सपोर्ट, पेमेंट सॉल्यूशंस, मार्केटिंग टूल्स और बिजनेस एनालिटिक्स जैसी सुविधाएं देकर एक संपूर्ण डिजिटल ऑपरेटिंग सिस्टम उपलब्ध कराता है।

लवलोकल अन्य ऑनलाइन ग्रॉसरी प्लेटफॉर्म्स की तुलना में 30% अधिक ताजगी भरा उत्पाद चयन और प्रतिस्पर्धी मूल्य प्रदान करता है। डिजिटल तकनीक और स्थानीय दुकानों के भरोसे को जोड़ते हुए, लवलोकल रोजमर्रा की खरीदारी के लिए एक नया मानक स्थापित कर रहा है। मुंबई में पहले ही 600 से अधिक दुकानों को डिजिटाइज करने के बाद, लवलोकल अब ऐसे भविष्य की दिशा में बढ़ रहा है, जहाँ छोटे दुकानदार भारत की डिजिटल खुदरा अर्थव्यवस्था के केंद्र में होंगे। अब तक, कंपनी वल्कन कैपिटल, एंड्रेसेन होरोविट्ज, ब्लूम वेंचर्स और कई प्रतिष्ठित संस्थापकों से लगभग 30 मिलियन डॉलर जुटा चुकी है।

चलती ट्रेन में महिलाओं के आभूषण छीनकर भागने वाला गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। ऑनलाइन रमी खेलने के चक्कर में एक युवक कर्ज में डूब गया जिसकी वजह से चलती लोकल ट्रेनों में महिला यात्रियों के गहने लूटने की शुरूआत की। जैसे ही कोई महिला यात्री लोकल ट्रेन में चढ़ती, स्टेशन पहुँचते ही युवक महिलाओं के गले से कीमती गहने छीन लेता और विपरीत दिशा में कूदकर भाग जाता। आखिरकार, कल्याण जीआरपी पुलिस ने ऋषिकेश बेनके नामक एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

पिछले कुछ दिनों से कल्याण कसारा स्टेशन के बीच चलती लोकल ट्रेन में एक चोर महिला यात्रियों से महंगे गहने छीन कर फरार हो रहा था । रेलवे पुलिस के लिए यह युवक सिरदर्द बना हुआ था । इसी तरह की दो घटनाएं खरडी और कसारा रेलवे स्टेशनों के बीच हुईं। कल्याण जीआरपी के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंढरीनाथ कांदे ने चोर को खोजने के लिए दो जांच दल नियुक्त किए थे। कल्याण जीआरपी पुलिस को ट्रेन के विपरीत दिशा में भागते हुए चोर का सीसीटीवी फुटेज बरामद हुवा । जांच के दौरान, चोर खरडी का है। पुलिस टीम को इसके बारे में जानकारी मिली। पुलिस टीम खरडी में उसके घर पहुंची। सीसीटीवी में दिख रहा युवक वही था।

चोर का नाम ऋषिकेश बेनके है। ऋषिकेश खरडी में रसवंती हाउस चलाता है। बारिश का मौसम शुरू हो गया। रसवंती हाउस की दुकान बंद थी। हालाँकि, वह कर्ज में डूबा हुआ था क्योंकि उसे ऑनलाइन रमी खेलने का शौक था। पुलिस अब इस युवक से जांच पड़ताल कर रही है ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सेवा में समर्पित जन्मदिन उत्सवः डॉ. अख्तर हसन रिजवी के जन्मदिवस पर विद्यार्थियों ने बुजुर्गों और दिव्यांगों के साथ बाँटा अपनापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती, वह जीवन के मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को भी समेटे होती है। इस बात को चरितार्थ किया डॉ. रिजवी लर्नर्स अकैडमी विद्यालय के छात्रों ने, जिन्होंने अपने संस्थापक व अध्यक्ष डॉ. अख्तर हसन रिजवी सर के जन्मदिवस को अनोखे अंदाज में सेवा और समर्पण के रूप में मनाया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. रूचि शर्मा के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने शहर के ओल्ड ऐज होम (वृद्धाश्रम) का दौरा किया। वहाँ उन्होंने बुजुर्गों के साथ समय बिताया, उन्हें उपहार भेंट किए और उनके चेहरे पर मुस्कान लाकर मानो जन्मदिवस की सबसे सुंदर पूजा अर्पित की। बच्चों ने न सिर्फ बुजुर्गों की बातें सुनीं, बल्कि उनसे आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने बच्चों से यह भावुक वादा भी लिया कि वे अपने माता-पिता और दादा-दादी की सेवा को जीवन का धर्म मानेंगे।

कार्यक्रम का दूसरा पड़ाव रहा रचना विशेष विद्यालय जहाँ छात्रों ने दिव्यांग बच्चों के साथ मिलकर स्नेह और समर्पण की मिसाल कायम की। खेल, बातचीत, हँसी और गीतों के साथ बच्चों ने दिखाया कि दिलों को छूने के लिए शब्द नहीं, भावना चाहिए। विद्यालय के प्रबंधक कर्रार हुसैन रिजवी (राशिद) ने कहा, रिजवी सर का जीवन समाज के वंचित वर्गों के लिए समर्पित रहा है। बच्चों द्वारा उनकी सोच को कर्म में बदलते देखना गर्व की बात है।

डॉ. रूचि शर्मा ने कहा, हमारे फाउंडर सर का सपना था कि हमारे विद्यार्थी केवल अच्छे छात्र ही नहीं, अच्छे इंसान भी बनें। आज उन्होंने इस सपने को साकार किया।

शिक्षकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए यह भावुक संदेश दिया कि जिस घर में बुजुर्गों की सेवा होती है, वहां ईश्वर स्वयं निवास करते हैं। डॉ. अख्तर हसन रिजवी सर ने भी कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त कर अत्यंत प्रसन्नता प्रकट की और कहा कि मुझे अपने विद्यालय के छात्रों पर गर्व है, जिन्होंने आज मानवता का सबसे सुंदर पाठ पढ़ा। इस पूरे आयोजन ने सिद्ध कर दिया कि जन्मदिवस केवल मोमबत्तियाँ और केक तक सीमित नहीं है, बल्कि वह एक अवसर है कृ किसी के जीवन में रोशनी भरने का।

जौनपुर में एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत किसानों को मिलेगा लाभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी डॉ. सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया है कि एकीकृत बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत जनपद को विभिन्न कृषि गतिविधियों के लिए लक्ष्य आवंटित किया गया है। जिसका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना और बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत, जौनपुर जनपद में मखाना की खेती के लिए 2 हेक्टेयर, सिंघाड़ा के लिए 4 हेक्टेयर, ग्लेडियोलस (फूल) के लिए 5 हेक्टेयर, प्याज के लिए 50 हेक्टेयर, और मचान विधि से सब्जी की खेती के लिए 40 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त, कृषि में आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए 25 हेक्टेयर में मल्चिंग और 20 एचपी तक के 2 ट्रैक्टरों के लिए भी अनुदान का लक्ष्य रखा गया है। डॉ. राणा ने बताया कि इन योजनाओं का लाभ लेने के इच्छुक किसान किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के लिए किसानों को अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी और दो पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाने होंगे यह पहल जौनपुर के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और अपनी उपज में सुधार करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगी। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का लाभ प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर दिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए, किसी भी कार्य दिवस में किसान जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय, जौनपुर से संपर्क कर सकते हैं।

मेडिकल कालेज जौनपुर एवं जिला चिकित्सालय जौनपुर का किया गया स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शासन के आदेशानुसार उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय जौनपुर के निरीक्षण हेतु नामित प्रो० (डा०) सी०पी० पाल, कार्यवाहक, प्रधानाचार्य, राजकीय मेडिकल कालेज, कन्नौज एवं प्रो० (डा०) राकेश कुमार, प्रधानाचार्य, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, कुशीनगर द्वारा आज दिनांक 24 जुलाई, 2025 को उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर सम्बद्ध जिला चिकित्सालय जौनपुर का औचक स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिसमें उनके द्वारा चिकित्सालय में इमरजेंसी, ओ०पी०डी०, आई० पी०डी०, आक्सीजन प्लांट, पैथोलॉजी, ब्लड बैंक, साफ-सफाई व अन्य का जायजा लिया गया। जिसकी रिपोर्ट उनके द्वारा शासन को दिया जाना है। इस अवसर पर मेडिकल कालेज की प्रधानाचार्य प्रो० डा० रूचिरा सेठी, उप प्रधानाचार्य, प्रो० डा० आशीष यादव, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो० डा० ए०ए० जाफरी, चिकित्सा अधीक्षक, डा० विनोद कुमार, डा० अरविन्द पटेल, डा० आदर्श यादव, एवं जिला चिकित्साल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा के०के०राय एवं डा० सैफ खान उपस्थित रहें।

जौनपुर में पारिवारिक विवाद में दंपत्ति ने खाया विषाक्त पदार्थ, हालत गंभीर

सिकरारा, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उक्त थाना क्षेत्र के पहसना गांव में आज पारिवारिक विवाद में एक दंपत्ति ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। दोनो की हालत गंभीर बनी हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर में प्रारंभिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल भेज दिया है। ग्रामीणों की माने तो उक्त गांव निवासी राजाराम और उनके पुत्र आदित्य कुमार (28) के बीच धान की रोपाई करने को लेकर सुबह विवाद हुआ था। राजाराम अपने पुत्र आदित्य की पत्नी रेखा देवी (24) को धान की रोपाई कार्य में सहयोग कराने की बात कही तो दोनों ने काम करने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर दिनभर तू तू मैं मैं होता रहा। दिन में लगभग तीन बजे आदित्य कुमार अपनी पत्नी रेखा के साथ घर के एक कमरे में अंदर से बंद कर लिया। परिवार के लोगो ने देखा कि दरवाजे के बाहर विषाक्त पदार्थ का पैकेट फेंका हुआ है। अनहोनी की आशंका से दरवाजा पीटने लगे पर अंदर से कोई आवाज नहीं आई। उन्होंने सूचना पुलिस को दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह अपने पुलिस फोर्स के सहयोगियों के मदद से दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो देखा दोनो अचेत हालत में पड़े हुए थे। थानाध्यक्ष ने दोनो को तुरंत ही पुलिस वाहन पर लादकर मछलीशहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने प्रारंभिक इलाज करने के बाद बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल भेज दिया है जहां दोनों की हालत गंभीर हो गई है। आजकल लोगों के अंदर धैर्य नहीं है। जरा जरा सी बात पर लोग आत्महत्या जैसी गंभीर प्रवृत्ति की ओर बढ़ रहे हैं। समाज में लोगों की चाहिए कि आत्महत्या जैसी गंभीर प्रवृत्ति से खुद को रोक कर छोटी-छोटी बातों को आपस में मिल बैठ करके मध्यस्थता करके हल निकाले, लोगों को चाहिए कि वह एक दूसरे की बातों को समझें और किसी के साथ ज्यादती ना करें।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष की कैद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश (पाक्सो) उमेश कुमार की अदालत ने नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में दोष सिद्ध पाते हुए आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास व 55हजार अर्थ दंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार सुजानगंज थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने 5 अक्टूबर 2021 को स्थानीय थाने में अभियोग पंजीकृत करवाया कि 30.9.2021 को उसकी 15 वर्षीय पुत्री को संजीव कुमार दुबे उर्फ संजू पुत्र हीरालाल निवासी ग्राम सखवक थाना सुजानगंज से गायब कर दिया। बहुत तलाश करने के बावजूद उसका कुछ पता नहीं चल रहा है। बाद में नाबालिग लड़की बरामद हुई और पुलिस ने उसके अपहरण व दुष्कर्म के मामले में आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शासकीय अधिवक्ता राजेश कुमार उपाध्याय व कमलेश राय के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी संजीव कुमार दुबे को दोषसिद्ध पाते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास व 55हजार रूपए अर्थदंड से दंडित किया।

कावड़ महिला का इलाज के दौरान हुई मौत घर मे मचा कोहराम

सुजानगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शारदा पत्नी रंजीत कुमार पाण्डेय उम्र 54 बर्ष निवासी बाल्हामऊ नेवाजी का पूरा बेलवार थाना सुजानगंज जौनपुर ने कावड़ लेकर जल भरने प्रयागराज गई हुई थी. सड़क दुर्घटना में घायल महिला का इलाज के दौरान मौत हो गई. 21 जुलाई जो कांवड़ लेकर जल भरने प्रयागराज गई थी वहां से जल भरकर वापस गौरीशंकर धाम सुजानगंज जौनपुर पैदल आ रही थी. झूंसी थानाक्षेत्र के शास्त्री पुल के निकट शाम सवा पांच बजे अज्ञात बाइक सवार ने धक्का मार दिया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायलावस्था में पुलिस ने उन्हें लोटस अस्पताल पहुंचाया जहां से चिकित्सकों ने स्वरुप रानी चिकित्सालय रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उनकी 24 जुलाई को प्रातः छह बजे मौत हो गई। शाम शव घर पहुंचने पर परिवार में कोहराम मच गया।

ट्रेलर में घुसा अनियंत्रित बाइक सवार, मौके पर ही मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के इटहरा बाजार के निकट ट्रेलर की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत हो गई। घटना बुधवार रात्रि लगभग 10:30 बजे की है प्रतापगढ़ जनपद के थाना ग्राम चिलबिला निवासी रवि शंकर का 25 वर्षीय पुत्र तुलसीराम अपनी बहन के घर से घर वापस जाने के लिए निकला ही था कि कुछ दूर पहुंचने पर वह ट्रेलर की चपेट में आ गया। ट्रेलर की चपेट में आने उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रेलर और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है और लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । घटना की जानकारी जब उसके घर और उसकी बहन के घर पहुंची तो पूरे घर में कोहराम मच गया है।जौनपुर में लापरवाही और मनमानी ढंग से गाड़ी चला रहे लोगों के कारण रोज हो रही है सड़क दुर्घटना में मौत।

सुइथाकला सरपतहा में मिला लावारिश शव हुआ दफन

-अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में मिलने वाले मुस्लिम लावारिश शव को दफन करवाने वाली कमेटी लावारिस शव इंतजामियां कमेटी ने सरपतहा थाने से मिला हुआ एक शव देर शाम हम्जा चिश्ती स्थित कब्रिस्तान पर दफन करवाया शव के बारे में पुलिस विभाग से आरक्षी शिवेंद्र यादव ने बताया कि यह शव सूइथा कला गांव के हाइडल के बाउंड्री में मृत मिला था पोस्टमार्टम के बाद मुस्लिम समुदाय का होने पर कमेटी को सौंपा गया। हुलिया से अधेड़ प्रतीत हो रहा था जिसकी उम्र लगभग 45 साल होगी। कमेटी के द्वारा पूरे मुस्लिम रीति रिवाज से इसे हजरत हम्जा चिश्ती स्थित कब्रिस्तान पर दफन करवाया गया, कमेटी के संस्थापक रियाजुल हक ने बताया कि लॉकडाउन के बाद से मुस्लिम शव को दफन करने का सिलसिला लगातार जारी है इसी क्रम में यह 163 वा शव था। इस मौके पर कमेटी के पदाधिकारी डॉ.आबिद,मास्टर मेराज एवं डॉ.इम्तियाज अहमद उर्फ बाबू भाई ,अकरम मंसूरी,नूरुद्दीन मंसूरी,मौजूद रहे। नमाज-ए-जनाजा हाफीज अजहर रशिदाबादी ने अदा कराई।वही कमेटी के अन्य सदस्यों का भी विशेष योगदान रहा।

जौनपुर में व्यापार मंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मुकुंद स्वरूप मिश्रा के आह्वान पर जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन के नेतृत्व में व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिला अधिकारी जौनपुर को दिया ज्ञापन में जीएसटी विभाग द्वारा प्रदेश में धारा-79 के अंतर्गत की जा रही वसूली वह सर्वे छापे के नाम पर सचल दल द्वारा व्यापारियों से किये जा रहे हैं उत्पीड़न के संदर्भ में मुख्यमंत्री से शिकायत किया गया,इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग द्वारा विगत कुछ माह से व्यापारियों के विरुद्ध दमनकारी नीति अपनाते हुए उनके बैंक खातों को सीज किया जा रहा है, तथा खातों से धन निकासी भी की जा रही है विभाग द्वारा ईमेल से नोटिस भेजी जाती है जिससे व्यापारी देख नहीं पता और व्यापारियों को खाते सीज किये जा रहे हैं खातों से रकम निकाली जा रही है ईमेल देख ना पाने के कारण व्यापारी ग्रेड- 1 के यहां अपील भी नहीं कर पाते हैं इसके साथ ही घोषणा के बावजूद टिब्यूनल न होने के कारण दूसरी अपील भी नहीं कर पा रहे हैं। प्रतिनिधि मंडल में उपस्थित नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों में सर्वे के नाम पर व्यापारियों का जीएसटी अधिकारी अनैतिक रूप से उत्पीड़न कर रहे हैं इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हाल ही में एटा जनपद के जलेश्वर जो कि घुंघरू व घंटा उद्योग के लिए विश्व प्रसिद्ध है और यह उद्योग एक कुटीर उद्योग है वहां से संगठन को अधिकारियों द्वारा जांच एवं सर्वे के नाम पर घर-घर जाकर अनैतिक उत्पीड़न किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है आज 24 जुलाई को प्रदेश के सभी मुख्यालयो पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जा रहा है,वही इस मौके ओर जिला संरक्षक राजदेव यादव एवं नगर संरक्षक अशफीर्लाल जायसवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि इसी प्रकार सचल दल विभाग द्वारा छोटी-छोटी मानवीय भूल बस ई- वे बिल सहित सभी परिपत्र होने के बावजूद गाड़ियों में शमन शुल्क लगाकर जुमार्ना जमा कराया जाता है और अपील द्वारा रिफंड किए जाने की बात की जाती है जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है और सरकार की छवि धूमिल होती है।प्रतिनिधि मंडल में जिला महामंत्री रामकुमार साहू, अरशद कुरैशी, रमेश बरनवाल, विजय गुप्ता, मनोज कुमार साहू, मुन्नालाल अग्रहरि, बनवारीलाल गुप्ता, अमर जौहरी, रामकुमार साहू, राकेश जायसवाल, संतोष कुमार साहू,अरविंद जायसवाल,यशवंत साहू, आशीष कुमार,गुलजारीलाल गुप्ता, राजीव कुमार साहू, संतोष अग्रहरि फामेर्सी, सतीश गुप्ता,चंदन सेठ,विमल भोजवाल, हफिज शाह, शिवम बरनवाल, शाहिद मंसूरी आदि व्यापारी उपस्थित रहे। उपस्थित व्यापारियों का आभार वरिष्ठ उपाध्यक्ष नगर रामकुमार साहू ने व्यक्त किया।

शाहगंज के विकास को मिलेगी गति बुनियादी सुविधाओं में होगा सुधार

* जल्द हो सकता है शाहगंज नगर पालिका का सीमा विस्तार, सीमा विस्तार की चचाओं से राजनैतिक हलचलें बढ़ी
* नटौली, सुरिस, कौड़ियां, सबरहद, खरौना, ताखा पूरब, ताखा पश्चिम सहित कुल ग्यारह गॉव शामिल होने की उम्मीद

डॉ इम्तियाज अहमद / शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।कई दशकों से नगर पालिका परिषद शाहगंज की सीमा विस्तार की मांग चली आ रही है। और हर पांच वर्ष के निकाय चुनाव सीमा विस्तार एक अहम मुद्दा भी लगातार बना रहता है।मगर आज तक इस मुद्दे और मांग पर कोई ठोस कदम नही उठाया जा सका।2004 में भी नगरपालिका सीमा विस्तार के प्रयास तेज हुए थे। पूर्व चैयरमैन गीता प्रदीप जायसवाल के कार्यकाल में एक सीमा विस्तार का प्रस्ताव शासन को भेजा जाना बताया जाता है।मगर फिर धीरे धीरे वो मामला भी ठंडे बस्ते में चला। समय अपनी रफ्तार से चलता रहा। नगर की सत्ता बदली और नगर पालिका की कमान सपा की प्रत्याशी रचना सिंह के हाथों में आई।अब फिर से एक बार सीमा विस्तार की सुगंध बहुत तेजी से फैलने लगी है।जिसका इशारा नगर पालिका की एक सभासद ने सोशल मीडिया पर भी जाहिर कर चुकी हैं।सूत्रों की अगर माने तो सीमा विस्तार का प्रस्ताव सदन में पारित होकर उसको अंतिम रूप रेखा की तैयारी बहुत तेजी से चल रही है।फाइल तहसीलदार, एसडीएम के संतुति के डीएम के पास जाना है।जहां से फाइल आगे सरकार तक पहुंचेगी।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीमा विस्तार में नगर से एकदम सटे कुल नौ गॉवों को शामिल किए जाने की बात सामने आ रही है। अब आगे देखना होगा की सीमा विस्तार इस बार क्या वास्तव में अतिंम सफलता का रूप लेगा।या फिर वर्षो से चली आ रही है या सीमा विस्तार फाइल ठंडे बस्ते में फिर से समा जाएगी। जब इस सम्बंध में चैयरमैन पति व प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह बंटी से पूछा गया तो उन्होंने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा की सीमा विस्तार का प्रस्ताव डीएम तक पहुंच चुका हैं।अब वहां से संतुति होने के बाद फाइल सचिवालय चली जायेगी।और सरकार के मनसानुरूप जो होना है वह होगा।उन्होंने आगे कहा की सीमा विस्तार सर्किल के चारो दिशाओ में होगी।कितने गॉव शामिल किए जाने के सवाल पर श्री सिंह ने कहा कुल ग्यारह गॉव प्रस्ताव में है जिसमे नटौली ,सुरिस, कौड़ियां, सबरहद,खरौना, ताखा पूरब, ताखा पश्चिम आदि गॉव शामिल किए जाने का प्रस्ताव भेजा गया है। खैर लंबे समय से सीमा विस्तार के लिए आम जनमानस भी व्याकुल है क्योंकि इससे शहर का विकास होगा, बुनियादी ढांचे में सुधार होगा, और राजस्व में वृद्धि होगी। विस्तारित क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, और अन्य सामाजिक सेवाओं का विकास होगा।नगर पालिका के विस्तार से शाहगंज शहर और उसके आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। विधानसभा में शाहगंज के विधायक रमेश सिंह ने कई बार शाहगंज को जिला घोषित करने की मांग रख चुके हैं ऐसे में नगरपालिका शाहगंज का सीमा विस्तार भी एक प्रमुख कड़ी के तौर पर देखा जा सकता है।

किशोरी से दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र की एक गांव में पड़ोसी गांव के एक युवक ने 16 वर्षीय किशोरी के साथ जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर बुधवार को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार एक गांव की किशोरी मंगलवार की सुबह लगभग 4 बजे शौच के लिए गई थी। अकेलेपन का फायदा उठाकर पड़ोसी गांव के युवक ने जबरन किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर आरोपी सलमान पुत्र मुसाइद निवासी जमदहां के विरुद्ध दुष्कर्म, एससी एसटी और पास्को एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया। देर शाम आरोपी को हिरासत में ले लिया गया। किशोरी की मेडिकल जांच के लिए महिला आरक्षी के साथ जिला अस्पताल भेजा गया।

वाराणसी : छुट्टी पर घर आए हेड कांस्टेबल का हार्ट अटैक से निधन, दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के चौबेपुर थाना क्षेत्र के छितौना निवासी एवं वर्तमान में सोनभद्र में तैनात यूपी पुलिस के हेड कांस्टेबल रामाशंकर यादव (49) का मंगलवार रात एक निजी अस्पताल में हार्ट अटैक से निधन हो गया। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। दिवंगत हेड कांस्टेबल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। रामाशंकर यादव एक सप्ताह पहले 20 दिन की छुट्टी लेकर घर आए थे। मंगलवार सुबह अचानक उन्हें सीने में तेज दर्द की शिकायत हुई। आनन-फानन में परिजन उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान देर रात उनका निधन हो गया। बुधवार को सरसौल बलुआ घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम विदाई के समय चौबेपुर पुलिस थाने के अधिकारी एवं कर्मियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। चौकी प्रभारी लल्लन सिंह के नेतृत्व में शस्त्र उल्टा कर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पुत्र अभिनव ने पिता को मुखाग्नि दी, जबकि पत्नी आशा देवी और पुत्री निधि शोक में बेसुध हो गईं।

विंध्याचल में दक्षिणा को लेकर हुए विवाद में चौकी धाम प्रभारी समेत 24 लाइन हाजिर, एक सिपाही निलंबित

मिजार्पुर(उत्तरशक्ति)। जिले के विंध्याचल धाम में यूपी पुलिस के चौकी प्रभारी समेत 25 पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है।एक सिपाही को निलंबित भी कर दिया गया है। आखिर इतनी बड़ी कार्रवाई क्यों हुई चलिए आगे जानते हैं। मिजार्पुर के विश्व प्रसिद्ध विंध्याचल धाम में स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर के पास पंडो के बीच दक्षिणा को लेकर विवाद सामने आया था।इसमें पंडों के बीच जमकर मारपीट का आरोप है।

इस दौरान कैंची लगने से एक पंडा घायल भी हो गया था। यह मामला पुलिस के सामने पहुंचा तो सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक कराई गई। विंध्याचल पुलिस ने पीड़ित के तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए तीन को हिरासत में लिया था। इस मामले में पुलिस की लापरवाही से नाराज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने विंध्याचल धाम चौकी प्रभारी राजकुमार पांडेय समेत 24 पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर करते हुए घटना के पास मौजूद सिपाही कांता राम को निलंबित करते हुए विभाग की कार्यवाही का आदेश दे दिया है।

रील बनाने के चक्कर में स्कार्पियो ने चार को रौंदा, एक की मौत

मिर्जापुर(उत्तरशक्ति)। जिले में बृहस्पतिवार की सुबह भीषण हादसा हुआ। जिले के चुनार थाना क्षेत्र के जमुई में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने चार लोगों रौंद दिया। हादसा रील बनाने के चक्कर में हुआ। इस दौरान एक की मौत हुई। जबकि तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि अनियंत्रित स्कॉर्पियो हैंडपंप तोड़ते हुए घर में घुसा, जिससे हादसा हुआ हादसे के बाद नाराज परिजनों ने ग्रामीणों के साथ सड़क जाम कर दिया। उधर, सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसमें एक की हालत गंभीर होने पर वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया।

आरओ प्लांट कर्मचारी को दिन दहाड़े गोली मारी

देवरिया (उत्तरशक्ति) । जिले में बृहस्पतिवार की सुबह दिनदहाड़े एक युवक को गोली मार जाने से हड़कंप मच गया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम लंगड़ी देवरिया की है, जहां खुशी आरओ प्लांट पर कार्यरत 25 वर्षीय अमरेश कुशवाहा उर्फ छोटू को अज्ञात बदमाशों ने कहासुनी के बाद बाएं पैर में गोली मार दी। घायल अमरेश को उसके परिजनों ने तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमा हरकत में आ गई। 112 सेवा के माध्यम से सूचना प्राप्त होते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया। क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की बारीकी से जांच की। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गोलीकांड के पीछे किसी आपसी विवाद या पुरानी रंजिश की आशंका है। फिलहाल अज्ञात हमलावरों की तलाश की जा रही है।

राजकीय विद्यालयों में शिक्षक भर्ती से वंचित होंगे लाखों ओवरएज अभ्यर्थी

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। सात साल तक एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती का इंतजार करते रहे लाखों अभ्यर्थी एक झटके में भर्ती की दौड़ से बाहर हो गए। ओवरएज अभ्यर्थियों को उम्मीद थी कि एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती में शामिल होने के लिए उन्हें अधिकतम आयु सीमा में छूट का लाभ दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने जब 14 जुलाई को भर्ती का संक्षिप्त विज्ञापन जारी किया तो ओवरएज अभ्यर्थियों की सभी उम्मीदें टूट गई। संक्षिप्त विज्ञापन में अधिकतम आयु सीमा में कोई छूट नहीं दी गई।

अब 28 जुलाई को भर्ती का विस्तृत विज्ञापन जारी होने वाला है और उसी दिन से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। ओवरएज अभ्यर्थियों को अब भी उम्मीद है कि विस्तृत विज्ञापन जारी होने तक शासन व आयोग उनके हित में कोई फैसला ले सकते हैं, लेकिन अब इसके आसार भी कम हैं। एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती का पिछला विज्ञापन मार्च-2018 में आया था। सात साल बाद नई भर्ती आने वाली है। भर्ती के इंतजार में लाखों अभ्यर्थी ओवरएज हो चुके हैं। अभ्यर्थी अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट चाहते हैं। प्रतियोगी छात्रा अर्चना ने बताया कि उनकी उम्र 40 वर्ष दो माह हो गई। ऐसे में वह फॉर्म नहीं भर पाएंगी। अगर इस भर्ती का विज्ञापन हर साल नियमित अंतराल में आता तो वह 2019 से अब तक छह बार परीक्षा में शामिल होतीं। अर्चना को यकीन है कि अब तक उनका चयन हो गया होता, लेकिन 2018 के बाद उनके जैसे लाखों अभ्यर्थियों को कोई मौका ही नहीं मिला। प्रयागराज में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे रायबरेली के संदीप कुमार, अनुज कुमार तिवारी, आलोक सिंह, मंजू यादव, सचिन शुक्ला, खुशबू सिंह, झांसी की रमा, चंदन राय गोरखपुर की ज्योति मिश्रा, प्रयागराज के सामंत पांडेय समेत कई अन्य छात्र भी भर्ती के इंतजार में ओवरएज हो चुके हैं और इस बार फॉर्म भरने से वंचित रह जाएंगे।

दशाश्वमेध घाट पर उमड़ी कांवड़ियों की उमड़ी भीड़

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। सावन महीने में कांवड़ियों की भारी भीड़ संगम तट और दशाश्वमेघ गंगा घाट पर उमड़ रही है। बोल बम के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान है। प्रयागराज से गंगा जल लेकर कांवड़िये काशी विश्वनाथ समेत अन्य प्रमुख महादेव मंदिरों के लिए रवाना हो रहे हैं। डीजे, बाजे के साथ नाचते गाते हुए कांवड़िये दिनरात पैदल चल रहे हैं। प्रयागराज-वाराणसी हाईवे भगवामय और शिवमय हो गया है। हाईवे की उत्तरी लेन शिवभक्तों के लिए आरक्षित कर दी गई है। सावन की शिवरात्रि महापर्व होने के चलते शिवभक्तों ने मंदिरों में भी विधि विधान से पूजन कर जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया। यमुना तट पर स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव, सिविल लाइंस के हनुमत निकेतन शिव मंदिर, शिवकुटी स्थित शिवकोटि, मुट्ठीगंज के ताला वाले महादेव मंदिर, अरैल के सोमेश्वर, यमुनापार के सुजावन देव और गंगापार फाफामऊ स्थित पड़िला महादेव मंदिर में हजारों कांवड़ियों के साथ शिवभक्त महिला पुरुषों की लंबी कतार लगी रही। सावन के महीने में करैलाबाग के नवयुवक कांवड़ियों का जत्था बाबा काशी विश्वनाथ धाम के लिए 24 जुलाई को सुबह 8 बजे रवाना होगा। इसमें शामिल कांवड़िये करैलाबाग बालू मंडी से डीजे, भांगड़ा और बैंड के साथ दारागंज स्थित दशाश्वमेध घाट से जलभर कर वाराणसी के लिए पैदल प्रस्थान करेंगे। नागपंचमी के दिन जलाभिषेक किया जाएगा। इसके बाद प्रयागराज लौटकर भंडारे का आयोजन होगा। गौरतलब है कि कांवड़ियों का यह जत्था पिछले करीब 25 साल से जल भरकर यहां से रवाना होता है। यात्रा में कई झांकियां भी शामिल की जाती है। कांवड़ियों के इस जत्थे में सुमित निषाद, कुंवर निषाद, जवाहर लाल प्रजापति, अमन निषाद और संजू खास तौर से शामिल रहते हैं। सावन के दूसरे सोमवार को हर शिवालय में शिव भक्तों ने आस्था और उत्साह के साथ दर्शन-पूजन किया। शिव भक्तों की भीड़ से भरे शिवालयों में लगातार हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। रोहिणी नक्षत्र के साथ ही वृद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग में भक्तों ने बाबा भोलेनाथ की पूजा की। वहीं कांवड़ियों ने भी दशाश्वमेध घाट से जल भरकर अलग-अलग शिवालयों के लिए रवाना होते रहे।

यमुना किनारे स्थित श्री मनकामेश्वर मंदिर, कटघर स्थित भोले गिरि मंदिर, सिविल लाइंस के हनुमत निकेतन स्थित शिव मंदिर, दारागंज स्थित दशाश्वमेध मंदिर, नैनी स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर, शिवकुटी स्थित कोटेश्वर महादेव मंदिर, शिवकुटी स्थित शिव कचहरी मंदिर, दरियाबाद स्थित तक्षकेश्वर नाथ मंदिर और फाफामऊ स्थित पड़िला महादेव समेत अन्य मंदिरों में सुबह से रात तक भक्त पहुंचते रहे। श्री मनकामेश्वर मंदिर के बाहर सुबह चार बजे के पहले ही भक्तों की कतार लग गई। यहां सुबह चार बजे मंगला आरती हुई। उसके बाद शिव भक्तों ने दर्शन-पूजन किया। भारी भीड़ के चलते इस मंदिर में रुद्राभिषेक की मनाही रही। पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों की मौजूदगी के बीच मंदिर के गर्भगृह में पहुंचकर भक्त दर्शन-पूजन करते रहे।सुबह 11:15 बजे भोग के लिए श्री मनकामेश्वर मंदिर बंद किया गया। सुबह 11:30 बजे भोग लगने के बाद फिर दर्शन-पूजन शुरू हुआ। रात 10 बजे शृंगार आरती के लिए मंदिर बंद हुआ। रात 10:30 बजे से 11 बजे तक शृंगार आरती हुई। इसी तरह सभी मंदिरों में समय सारिणी के मुताबिक दर्शन-पूजन कराया गया।

डाली जोशी ने बच्चों संग मनाया जन्मदिन, समाजसेवा का दिया संदेश

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक सौहार्द व मानवीय संवेदना की मिसाल बनीं मॉडल डाली जोशी ने एक बार फिर अपनी सकारात्मक सोच और सेवाभाव से सभी का दिल जीत लिया। अपने जन्मदिन के अवसर पर उन्होंने सदरुद्दीनपुर प्राथमिक विद्यालय पहुंचकर न केवल बच्चों के साथ केक काटा, बल्कि उन्हे शैक्षणिक सामग्री एवं अलमारी व कहानी की पुस्तक वितरित कर एक नई प्रेरणा भी दी। भाजपा जिला सोशल मीडिया प्रभारी ने वेद प्रकाश जायसवाल ने बच्चों को कहानी की किताब के बारे में जानकारी दी एवं उन्हें अलमारी से निकालने के लिए प्रधानाचार्य से अनुमति लेने की बात कही। प्रोफेशनल मॉडल इस भावपूर्ण प्रेरणादाई पहल के न केवल बच्चों, बल्कि मौजूद सभी अतिथियों को भावुक कर दिया। बच्चों के साथ उन्होंने खुलकर संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का सहजता से उत्तर भी दिया।

डाली जोशी ने विद्यालय परिसर में

प्रधानाध्यापिका अनुपमा अग्रहरि ने बच्चों से मॉडल डाली जोशी का परिचय कराते हुए कहा, ₹इनका जीवन संघर्षपूर्ण होते हुए भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। ये बच्चों के लिए एक सजीव उदाहरण हैं कि आत्मसम्मान और सेवा की भावना से हर कोई समाज में बदलाव ला सकता है।

इस अवसर पर समाजसेवी युवा नेता प्रभारी वेद प्रकाश जायसवाल, अरुण चौहान सहित विद्यालय परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। डाली जोशी की मुस्कान और मातृत्व भाव ने विद्यालय परिसर को उत्सव जैसा बना दिया। उन्होंने कहा, बच्चों की मुस्कान ही मेरी असली कमाई है। समाज चाहे कुछ भी कहे, लेकिन जब तक दिल में सच्चाई और सेवा की भावना है, तब तक इंसान छोटा नहीं होता। इस तरह प्रोफेशनल मॉडल डाली जोशी ने न सिर्फ जन्मदिन मनाया, बल्कि समाज को प्रेम, समर्पण और समानता का सशक्त संदेश भी दिया।

मध्य प्रदेश के इंदौर के अस्पताल में दो सिर और एक धड़ वाली जुड़वा बच्चियों का हुआ जन्म

इंदौर, मध्य प्रदेश (उत्तरशक्ति)। इंदौर के एमटीएच अस्पताल में एक चौंकाने वाला और अत्यंत दुर्लभ मामला सामने आया है। यहां देवास जिले की एक महिला ने दो सिर और एक धड़ वाली जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया। डॉक्टरों ने आपातकालीन सिजेरियन सेक्शन के जरिए यह प्रसव कराया। नवजातों की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें अस्पताल की सीएनसी यूनिट में निगरानी में रखा गया है।

चार बार हुई जांच, नहीं मिला कोई संकेत

22 वर्षीय महिला मध्य प्रदेश के देवास जिले के हरणगांव क्षेत्र के पलासी गांव की रहने वाली है। उसने अपनी गर्भावस्था के दौरान हरणगांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पंजीयन कराया था और वहां चार बार एएनसी यानी प्रसव पूर्व जांच कराई गई थी। हैरानी की बात यह रही कि चारों बार की गई जांचों में भ्रूण में किसी भी प्रकार की विकृति का संकेत नहीं मिला।

प्रसव पीड़ा के बाद लाया गया इंदौर

देर रात महिला को तेज प्रसव पीड़ा होने पर स्थिति बिगड़ती देख परिजन उसे तुरंत इंदौर के एमटीएच अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने महिला की हालत देखकर तत्काल ऑपरेशन का फैसला लिया और सिजेरियन प्रक्रिया के माध्यम से बच्चियों को जन्म दिलाया।

नवजातों में दो सिर, एक दिल और दो लिवर

डॉक्टरों के अनुसार बच्चियों के शरीर में दो सिर, दो रीढ़ की हड्डियां, दो लिवर, एक दिल, एक जोड़ी फेफड़े और दो पाचन तंत्र मौजूद हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक यह एक अत्यंत दुर्लभ स्थिति है, जो दो लाख जन्मों में से एक बार देखने को मिलती है।

मामले को लेकर चिकित्सकों में गहन चर्चा

चिकित्सा विशेषज्ञ इस मामले को शोध और मेडिकल अध्ययन के लिए बेहद अहम मान रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन बच्चियों की हालत पर लगातार नजर रखे हुए है और आगे की चिकित्सा प्रक्रिया की तैयारी की जा रही है। जनसामान्य के लिए भी यह मामला भ्रूण विकास और समय रहते जांच की महत्ता को समझाने के लिए उपयोगी हो सकता है।

हितेन का नया गाना फ्लावर्स लांच

पटना (उत्तरशक्ति)। कुछ गीत चीख पुकार मचाते हैं, जबकि कुछ गीत शांत होते हैं और आपके दिल में घर बना लेते हैं। मशहूर निमार्ता, गायक-गीतलेखक, हितेन ने अपने भावुक गीत, फ्लॉवर्स पेश किए हैं। ये बहुत गहरे और व्यक्तिगत गीत हैं। इनमें दो विपरीत ट्रैक, खामखा और बेकदरां प्यार की गरिमा और कोमलता की खोज करते हैं। इन गीतों में प्यार और मानवीय रिश्ते की ऊँचाईयों और दर्द को पेश किया गया है। ये गीत नाजुक हैं। फ्लॉवर्स में इन गीतों के माध्यम से प्यार को सबसे शुद्ध रूप में पेश किया गया है। ये गाने हितेन के पिछले हिट गीतों के इठलाते लहजों से अलग एक कोमल, शुद्ध और ज्यादा व्यक्तिगत एहसास को समर्पित हैं। ये चकित कर देने वाले गीत मन में छिपी भावनाओं और उनके बीच बिताए क्षणों को प्रतिबिंबित करते हैं। इनमें साथ होने का शांत रोमांच है और पीछे छूट जाने का गहरा दर्द भी। हितेन ने कहा,फ्लॉवर्स की तरह ही प्यार भी स्वतंत्र रूप से खिलता है। उन लोगों के हाथों में यह कभी-कभी मुरझा भी जाता है, जो इसे संभालकर नहीं रख सकते हैं। फ्लॉवर्स मेरे द्वारा निर्मित अभी तक के सबसे ईमानदार गीत हैं। अपनी सरल स्टोरीटैलिंग और मंत्रमुग्ध कर देने वाले साउंडस्केप्स के लिए मशहूर हितेन ने भारतीय हिपहॉप के कई दिग्गजों, जैसे बादशाह, एमसी स्क्वैयर, रफ्तार, किंग और इक्का आदि के साथ काम किया है। फ्लॉवर्स में अंतरंग, कोमल और मानवीय गीत पेश किए गए हैं, जो एहसास कराते हैं कि जो प्यार कभी आपको सबकुछ प्रतीत होता है, वह आपसे सबकुछ छीन भी सकता है।

कैंसर से तंग आकर पीड़ित ने लगा लिया फंदा, गई जान

कौशांबी(उत्तरशक्ति)। सैनी के गुलामीपुर गनपा गांव में कैंसर से तंग आकर पीड़ित ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ के बाद कानूनी औपचारिकता पूरी की। गुलामीपुर गनपा निवासी 36 वर्षीय राजकुमार मजदूरी करते थे। पत्नी विजमा देवी ने बताया कि तीन साल पहले वह मुंह के कैंसर से पीड़ित हो गए। उनका इलाज प्रयागराज में कराया जा रहा था।

विजमा ने बताया कि शनिवार को वह खेत की तरफ गई थी। पति घर पर अकेले थे। शाम को वह वापस लौटी तो पति घर में नहीं मिले। उनकी तलाश करते हुए वह घर के पीछे गईं तो नीम के पेड़ में रस्सी के फंदे से राजकुमार को लटका देख चीखते हुए रोने लगीं। रोने-चीखने की आवाज सुनकर गांव के लोग इकट्ठा हो गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पेड़ से राजकुमार के शरीर को नीचे उतारा। पुलिस ने बताया कि तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

मुंह के कैंसर से परेशान कारोबारी ने गंगा में छलांग लगाकर दी जान

कानपुर(उत्तरशक्ति)। गंगाजल लाने की बात कहकर घर से स्कूटी से निकले बेयरिंग कारोबारी ने कैंट के मैस्कर घाट से गंगा में छलांग लगाकर जान दे दी। घटना 22 जुलाई की देर शाम की है। मुंह के कैंसर से परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया। 23 जुलाई की शाम को कारोबारी का शव मैस्कर घाट से 12 किलोमीटर दूर महाराजपुर में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को जानकारी देकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। चकेरी के लालबंगला निवासी राजेश जायसवाल (53) का घुमनी बाजार में बेयरिंग का कारोबार है। कैंट इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राय ने बताया कि करीब ढाई साल से मुंह के कैंसर का इलाज चल रहा था। मुंबई तक इलाज कराया लेकिन फायदा न लगने का सोचकर धीरे-धीरे अवसाद में चले गए। मंगलवार को वह गंगाजल लाने के लिए मैस्कर घाट पहुंचे। यहां उन्होंने पहले स्कूटी स्टैंड पर लगाई। इसके बाद घाट की सीढ़ियों पर कपड़े उतारकर मोबाइल फोन वहीं रख दिया। नीचे की सीढ़ी से गंगा में छलांग लगा दी। उफनाई गंगा में गहरे में जाने के कारण वह डूब गए। काफी देर बाद तक घर न लौटने पर परिजनों ने फोन किया लेकिन कॉल नहीं रिसीव हुई। काफी देर तक मोबाइल की घंटी बजने पर पुजारी ने कॉल रिसीव की और पूरी बात बताई। आनन फानन मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया। इंस्पेक्टर ने बताया कि बुधवार सुबह छह बजे से गोताखोरों ने गंगा में जाल डाला लेकिन कुछ नहीं पता चला।

एक रात में पांच घरों के टूटे ताले, जेवर और नकदी चोरी

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ के गंभीरपुर थाना क्षेत्र के बरबसपुर गांव में बुधवार की रात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाया और जेवरात व नकदी चोरी की। चोरों ने खिड़की व छत के रास्ते घरों में प्रवेश किया जबकि घर के लोग गर्मी के कारण बाहर सो रहे थे। घटना की सूचना गुरुवार सुबह ग्रामीणों को हुई जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। गंभीरपुर पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम व डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। बरबसपुर गांव निवासी अजय यादव परिवार के साथ घर के बाहर सोए हुए थे। चोर छत के रास्ते घर में घुसे और अंदर से दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद बक्सा तोड़कर 22 हजार नकदी, मंगलसूत्र, चैन, नथिया, झुमका सहित 15 लाख के आभूषण लेकर भाग गए। इसके बाद चोरों ने राजेश यादव के घर को अपना निशाना बनाया।

चोरों ने घर के पीछे रोशनदान काटकर प्रवेश किया और हार, मंगलसूत्र, झुमका, पाजेब, नथिया समेत 10 लाख रुपये के जेवरात लेकर भाग गए। वहीं, प्रवेश यादव के घर से 8,000 नकदी और मंगलसूत्र, चैन, अंगूठी, मांगटीका, नथिया, पायल समेत छह लाख के जेवर लेगर भाग गए। थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकरी मिली है। जांच पड़ताल की जा रही है। फॉरेंसिक टीम की मदद से फिंगरप्रिंट, फॉरेंसिक सबूत और डॉग स्क्वॉड की मदद से चोरों का सुराग तलाशा जा रहा है। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के मुहम्मदपुर गांव में बुधवार रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाते हुए जेवरात चोरी कर लिए। नन्हे राय के घर में हुई घटना में चोर जंगला काटकर अंदर घुसे और जेवरात और अन्य सामान समेटकर फरार हो गए। रात 10 बजे नन्हे राय के घर के सभी सदस्य सोने चले गए थे। सुबह जब घर में गए तो देखा कि अलमारी, दो अटैची और संदूक के ताले टूटे हुए थे। चोर घर से मंगलसूत्र, सीकड़, दो झुमके, दो अंगूठी, दो पायल समेत अन्य कीमती जेवरात लेकर चले गए। चोरी गए जेवरात की कीमत पांच लाख रुपये आंकी जा रही है। वहीं, चोरी से पहले चोर बगल के घर सुधाकर राय के दूसरे तल्ले पर चढ़े जहां एक दरवाजा तोड़कर दो बक्सों के ताले तोड़े।

मेरठ में बारिश ने तोड़ा 16 साल का रिकॉर्ड

मेरठ(उत्तरशक्ति)। मेरठ जिले में बुधवार को इस सीजन की सबसे अधिक 108.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। यूपी में सबसे ज्यादा बारिश मेरठ में दर्ज की गई है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की मौसम वेधशाला प्रभारी अशोक गुप्ता के अनुसार बुधवार को इस सीजन में सबसे ज्यादा बारिश हुई। जुलाई के 23 दिनों में 254.3 मिमी बारिश दर्ज की गई है। यह आंकड़ा पिछले 16 साल में सबसे ज्यादा है। भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान मोदीपुरम के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एम शमीम का कहना है कि यह बारिश गर्मी के साथ फसलों के लिए भी लाभकारी रहेगी। किसानों की धान की फसल को भी लाभ मिलेगा। बारिश का लगातार होना अच्छी बात है। धान के अलावा चारा, गन्ने की फसल को भी बारिश से लाभ मिलेगा। चौधरी चरण सिंह विवि की मौसम वेधशाला पर दिन का अधिकतम तापमान 29.3 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वाराणसी से बदलाव की नींव!, भविष्य की स्मार्ट सिटी की ओर एक कदम

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में भवन निर्माण को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से भवन निर्माण एवं विकास उपविधि-2025 और आदर्श जोनिंग रेगुलेशन-2025 के तहत नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। इस क्रम में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा गुरुवार को वाराणसी के गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल, चौकाघाट में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य इन दोनों महत्वपूर्ण विधियों के नवीनतम प्रावधानों की जानकारी देना और विभिन्न जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की राय से इसे और अधिक व्यावहारिक व जनहितैषी बनाना रहा। कार्यशाला में उपस्थित मुख्य अतिथि सूबे के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं विधायक वाराणसी उत्तरी रविन्द्र जायसवाल ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि उपविधि-2025 और जोनिंग रेगुलेशन-2025 के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए शहर में तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं (जैसे बीटेक, बीआरक्टिक, आईटीआई सीविल) की सहभागिता से विस्तृत जागरूकता अभियान चलाया जाए। यह प्रस्ताव न केवल तकनीकी युवाओं के लिए इंटरर्नशिप एवं रोजगार के अवसर खोलता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि शासन की योजनाएं आम नागरिक तक सरल भाषा में पहुंचें।

कहा कि शहरों का नियोजन अराजक नहीं बल्कि आचार संहिताओं के साथ होना चाहिए। नियोजित विकास ही समृद्धि का वाहक बन सकता है। उन्होंने कहा नई उपविधियां केवल भवन निर्माण की गाइडलाइन नहीं, बल्कि विकास की संस्कृति हैं। हम वाराणसी को न केवल स्मार्ट सिटी बनाना चाहते हैं, बल्कि आत्मा और पहचान के साथ विकसित शहर बनाना चाहते हैं। आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्रा दयालु, ने कहा ये उपविधियां कागजी सुधार नहीं, बल्कि जमीनी बदलाव की आधारशिला हैं। यह उपविधि पर्यावरण, परंपरा और प्रगति के संतुलन को साधने का दस्तावेज है। काशी जैसी ऐतिहासिक नगरी के लिए यह विशेष रूप से उपयोगी है। उन्होंने कहा कि शहरों का विकास केवल कंक्रीट की इमारतों से नहीं होता। नागरिकों की सुविधा, पर्यावरण की सुरक्षा और विरासत का सम्मान इस विकास का आधार होना चाहिए। महापौर अशोक तिवारी ने नगर निकायों की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि नगर निगम और विकास प्राधिकरण को नागरिकों को नियमों के प्रति जागरूक करते हुए त्वरित सेवा देना होगा। इस अवसार पर स्टाम्प शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल, आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्रा दयालु, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, विधायकगण रमेश जायसवाल, सौरभ श्रीवास्तव व त्रिभुवन राम, महापौर अशोक तिवारी समेत वीडीए उपाध्यक्ष, नगर निगम अधिकारियों, आर्किटेक्ट्स, इंजीनियर्स और तकनीकी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई और तत्पश्चात वीडीए उपाध्यक्ष द्वारा दोनों नई व्यवस्थाओं के प्रमुख बिंदुओं को विस्तार से समझाया। जो सबसे महत्वपूर्ण घोषणाएं रहीं, वे इस प्रकार हैं : 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय निर्माण एवं 30 वर्ग मीटर तक के व्यावसायिक निर्माण के लिए मात्र 1 रुपये टोकन शुल्क पर पंजीकरण की सुविधा, जिससे आम नागरिक और छोटे व्यापारी वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी। सम्बंधित विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के लिए समयबद्ध प्रक्रिया निर्धारित की गई है, जिससे अनावश्यक देरी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। ग्राउंड कवरेज प्रतिबंधों की समाप्ति और एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) में वृद्धि ने जमीन के प्रभावी उपयोग के नए रास्ते खोले हैं। होटल, चिकित्सा सुविधा, पेइंग गेस्ट, होम स्टे के लिए अब एनओसी की अनिवार्यता नहीं होगी, जिससे पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा औद्योगिक इकाइयों के लिए मानकों में छूट, जिससे निवेशक आकर्षित होंगे और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सबसे विशेष बात यह रही कि आदर्श जोनिंग रेगुलेशन को सरल, व्यावहारिक और समावेशी बनाया गया है, जिससे जमीनी स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन आसान होगा। नगर नियोजक प्रभात कुमार द्वारा इन उपविधियों की तकनीकी व्याख्या और प्रस्तुति से प्रतिभागियों को इनके गहरे पक्षों की जानकारी दी गयी। विधायकगण सौरभ श्रीवास्तव (कैंट), त्रिभुवन राम (अजगरा), नील रतन नीलू (सेवापुरी), रमेश जायसवाल (मुगलसराय) ने भी इस उपविधि की सराहना करते हुए इसे वास्तविक समस्याओं का समाधान करने वाली नीति बताया। महापौर श्री अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पूनम मौर्य, भाजपा जिला अध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा सहित सभी अतिथियों ने इस नीति को नए युग का शहरी दस्तावेज करार दिया। यह कार्यशाला उस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जहां योजनाएं कागजों में नहीं, जमीनी स्तर पर उतरती हैं। उत्तर प्रदेश जैसे तेजी से शहरीकरण की ओर अग्रसर राज्य में यदि निर्माण प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और प्रोत्साहक हो, तो वह न केवल आम जनता के जीवन को बेहतर बनाती है।

चुपा चुप्स का नया कैंपेन समझ के बाहर अपने खट्टे और मीठे मजे को करता है मनोरंजक

उल्हासनगर। परफेटी वैन मेले के प्रतिष्ठित और मजेदार कन्फेक्शनरी ब्रांड्स में से एक, चुपा चुप्स ने अपना एक नया कैंपेन लॉन्च किया है, जो अपने खास खट्टे और मीठे स्वाद के अनोखे प्रभाव को नए अंदाज में पेश करता है। कैंपेन के तहत नए टीवीसी के जरिए यह दिखाया गया है कि कैसे खट्टे और मीठे का यह अनोखा मेल साधारण लम्हों को भी मस्तीभरे माहौल में बदल सकता है। ब्रांड का उद्देश्य रोजमर्रा के लम्हों में मस्ती का तड़का लगाना है। यह कैंपेन मजेदार और हल्के-फुल्के अंदाज में दिखाता है कि कैसे चुपा चुप्स स्वीट एंड सॉर बेल्ट्स के स्वाद से तर्क और कल्पना की टक्कर हो जाती है। असाधारण स्वाद के साथ यह फिल्म उस अनिश्चितता को अपनाती है, जब मिठे और खट्टे का टकराव होता है और तर्क ताक पर रख दिया जाता है। टीवीसी की शुरूआत एक साधारण माहौल में होती है, जहाँ कुछ दोस्त कैरम खेल रहे हैं। लेकिन जैसे ही वे चुपा चुप्स बेल्ट्स का स्वाद चखते हैं, यह परिचित खेल अचानक मजेदार अनिश्चितताओं में बदल जाता है। पूरा दृश्य एक ऐसे पल की ओर बढ़ता है जो इस कैंपेन की मूल सोच को दर्शाता है, समझ के बाहर है, जैसे चुपा चुप्स। कैंपेन के बारे में बात करते हुए, परफेटी वैन मेले इंडिया के डायरेक्टर मार्केटिंग, गुंजन खेतान ने कहा, चुपा चुप्स के लिए फॉरएवर फनह्न हमारी मूल भावना रही है। इस कैंपेन के जरिए हम एक साधारण स्वाद अनुभव को अनपेक्षित मस्ती में बदलना चाहते थे। हमारे बेल्ट्स में खट्टे और मीठे का यह मेल सिर्फ स्वाद के बारे में नहीं है, बल्कि इसकी हर बाइट में हंसी, खुशी और ढेर सारी मस्ती का अहसास है। और ह्लसमझ के बाहर है, जैसे चुपा चुप्स मीठा है या खट्टा हैह्व थीम इसे खूबसूरती से दर्शाती है। यह चुपा चुप्स को उस पीढ़ी के लिए एक पसंदीदा ब्रांड बनाने के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो एक्सप्रेशन, अनिश्चितता और नो-फिल्टर मस्ती को महत्व देती है। यह फिल्म हमें याद दिलाती है कि कभी-कभी तर्क के नियमों को तोड़ना ही किसी पल को यादगार बना देता है।ओगिलवी द्वारा संकल्पित यह कैंपेन कल्पनाओं से भरी कहानियों, साधारण रोजमर्रा के सांस्कृतिक संकेतों और शरारत भरे अंदाज को जोड़ता है, जो ब्रांड की बिंदास और नटखट प्रवृत्ति को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश पुलिस के सिपाहियों को मिलेगा डाक बीमा का लाभ : कर्नल विनोद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बनारस परिक्षेत्र के पोस्ट मास्टर जनरल कर्नल विनोद कुमार ने वाराणसी पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल से मुलाकात की और उन्हें इंडिया पोस्ट की बचत योजनाओं तथा बीमा योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी ।

कर्नल विनोद के अनुसार पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी बहुत तनाव में कार्य करते हैं जिससे वह अपने परिवार के सदस्यों के लिए सुरक्षित निवेश नहीं कर पाते उनकी सेवा के लिए भारतीय डाक विभाग ने एक नई पहले करते हुए उनके पुलिस थानों और कार्यालयों में तथा ट्रेनिंग सेंटर में जा कर योजनाओं का प्रचार करने की व्यवस्था की है ।इस अभियान में डाक अधीक्षक और अन्य अधिकारी शामिल होंगे जो पुलिस महकमें में जा कर कैम्प लगायेंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा पुलिस कर्मियों को बीमा कवर उपलब्ध कराया जा सके।

कर्नल विनोद ने बताया कि ये अभियान वाराणसी के सभी उपमंडलों में शुरू किया जाएगा और डाक कर्मी अपने साथ संबंधित फॉर्म भी ले जाएँगे और वीडियो तथा प्रेजेंटेशन से जानकारी उपलब्ध कराएँगे ।

पुलिस कमिश्नर ने जवानों के कल्याण के लिए अभियान में सहयोग करने का भरोसा दिलाया और कहा कि इस अभियान से सभी पुलिस कर्मियों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने भारतीय डाक विभाग की सराहना करते हुए उत्कृष्ट सेवा कार्य के प्रति आभार व्यक्त किया ।कर्नल विनोद ने बताया कि डाक विभाग में प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत सिर्फ दो रुपए सालाना खर्च पर दो लाख रुपए का एक्सीडेंटल डेथ और डिसेबिलिटी का बीमा सुविधा उपलब्ध है , यह सुविधा बनारस के सभी डाक घरों में आसानी से ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह बीमा सुविधा राशि प्रति माह दो रुपए से भी कम पर मिल रही है। इसके लिए पोस्ट ऑफिस में एक बचत खाता खुलवाना होगा और इसके बाद स्थायी निदेश देने पर इंडिया पोस्ट हर साल अकाउंट से बीस रुपए निकाल कर बीमा कवर को निरंतरता प्रदान करता रहेगा । यह बीमा पॉलिसी एक साल के भीतर रिन्यू होती रहेगी ।

कर्नल विनोद ने बताया कि अगर कोई विभाग , कार्यालय , कंपनी और संस्थान इस योजना में अपने कर्मचारियों का बीमा करवाने के लिए तैयार है तो इंडिया पोस्ट उनके कार्यालय में कैम्प आयोजित करने के लिए तैयार है, इसके लिए डाक विभाग के अधीक्षक और बनारस कैंट स्थित परिमंडल कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

कर्नल विनोद ने पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल को इंडिया पोस्ट द्वारा जारी किए गए डाक टिकटों का खूबसूरत सेट भेंट किया। उनके साथ डॉ वीरेंद्र सिंह तथा विपिन सिंह सहायक अधीक्षक ने भी जवानों के बीच पहुंचकर जानकारी विस्तार करने की बात कही।

उपहार और स्टेशनरी उद्योग के लिए मेस्से फ्रैंकफर्ट और एमईएक्स एक्जिबिशन्स ने रणनीतिक गठबंधन किया

मुंबई। गिफ्ट्स वर्ल्ड एक्सपो - दिल्ली 2025 के भव्य उद्घाटन के दौरान की गई एक ऐतिहासिक घोषणा में, पेपरवर्ल्ड इंडिया, कॉर्पोरेट गिफ्ट्स शो और गिफ्ट्स वर्ल्ड एक्सपो के आयोजकों ने आधिकारिक तौर पर अपने प्रदर्शनी पोर्टफोलियो के विलय की घोषणा की। दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर और कोलकाता में अब समर्पित शो आयोजित होने के साथ, यह संयुक्त पहल उपहार और स्टेशनरी क्षेत्र की अखिल भारतीय उपस्थिति स्थापित करने की दीर्घकालिक रणनीति को रेखांकित करती है। देश के शीर्ष व्यावसायिक और उपभोग केंद्रों में मजबूत क्षेत्रीय मंच बनाकर, आयोजक एक ऐसा स्केलेबल मॉडल प्रस्तुत कर रहे हैं जो निम्नलिखित का समर्थन करता है। उनका राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण न केवल कंपनियों को क्षेत्र-विशिष्ट मांग पैटर्न का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है, बल्कि उपहार और स्टेशनरी के लिए एक राष्ट्रीय पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में भी योगदान देता है। साथ में भारत में ये अग्रणी प्रदर्शनी ब्रांड उपहार और स्टेशनरी उद्योग के लिए एक बेजोड़ पावरहाउस का निर्माण करेंगे, एक एकीकृत मंच प्रदान करेंगे जो देश भर और उसके बाहर के निमार्ताओं, नवप्रवर्तकों और खरीदारों को जोड़ता है। गिफ्ट्स वर्ल्ड एक्सपो का आगामी फरवरी 2026 का मुंबई संस्करण लंबे समय से चले आ रहे कॉर्पोरेट गिफ्ट्स शो के परिवर्तन को चिह्नित करेगा, जिसे अब गिफ्ट्स वर्ल्ड एक्सपो के तहत रीब्रांड किया जाएगा ताकि उपहार के पूरे दायरे को कवर किया जा सके और यह केवल कॉर्पोरेट गिफ्टिंग तक ही सीमित न रहे। यह रीब्रांडिंग गिफ्टिंग उद्योग के लिए एक सुसंगत और एकीकृत मंच का प्रतीक है। इसके साथ ही, मेस्से फ्रैंकफर्ट पोर्टफोलियो के तहत स्टेशनरी, कार्यालय और स्कूल आपूर्ति क्षेत्र के लिए वैश्विक ब्रांड, पेपरवर्ल्ड इंडिया, गिफ्ट्स वर्ल्ड एक्सपो (नई दिल्ली 2026 संस्करण) के साथ, राजधानी नई दिल्ली में अपनी शुरूआत करेगा, जिससे भारत में इसकी उपस्थिति और बढ़ेगी और फिर बाजार की मांग के अनुसार अन्य क्षेत्रों में प्रवेश करेगा।

फार्मासिस्ट मांगे अपना अधिकार कौन करेगा इस पर विचार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।गुरुवार, प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में जिले के सभी स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्ट पद पर कार्य कर रहे संविदा एवं परमानेंट फार्मासिस्ट ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी ऑफिस जाकर जताई नाराजगी।जानकारी के अनुसार वाराणसी जिले में फार्मासिस्ट को कोई भी सीनियर कर्मचारी जैसे की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य उच्च पदाधिकारी आदि लोग रिस्पेक्ट के साथ नहीं बुलाते हैं ।सूत्रों की माने तो कहीं-कहीं फार्मासिस्ट को अपशब्द व सीधे गाली देकर बुलाया जाता है।एक फार्मासिस्ट से पूछे जाने पर पता चला कि जब उनसे काम लेना होता है तो फार्मासिस्ट की कार्यशीलता एवं पद का अवहेलना करते हुए हमेशा हीनता की दृष्टि से देखा जाता है। जबकि शहर के सभी फार्मेसिस्ट लोग जब भी जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा कोई भी कार्यालय द्वारा आदेश जारी किया जाता है तो फार्मासिस्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी के आदेश का पालन करने हेतु अपना सब कुछ त्याग कर ड्यूटी को मानते हुए हमेशा आदेशित स्थान पर हाजिर रहते हैं, कुछ और फार्मासिस्ट से ज्ञात यह भी हुआ कि अभी बीते वर्ष 2024 में ठंड के महीने में देर रात 8 बजे तक ठदअर के कार्य को पूरा करने के लिए रुक जाते थे और अपने कार्य से कभी भी पीछे नहीं हुए और जब रिस्पेक्ट की बारी आती है तो उन पर ध्यान नहीं दिया जाता है। सूत्रों की माने तो पैरामेडिकल स्टाफ जैसे कि फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन रेडियोलॉजिस्ट के बिना स्वास्थ्य विभाग के सिस्टम को चलाना संभव नहीं है। अंततः सभी फार्मासिस्ट यही कहना था कि अगर हम लोग जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी ऑफिस आए हैं और हमारी बात को नहीं सुना गया अनदेखा किया गया तो हम लोग अपर अधिकारी तक जाएंगे। धरना प्रदर्शन पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी फार्मासिस्ट को समय दिया और उनके साथ हो रहे दुर्व्यवहार को दृष्टिगत अग्रिम कार्यवाही हेतु आश्वासन दिया गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी के 5000 स्कूलों के विलय पर लगाई रोक, 21 अगस्त तक यथास्थिति का आदेश

इलाहाबाद(उत्तरशक्ति)।उत्तर प्रदेश के लगभग 5000 सरकारी स्कूलों के विलय पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। अदालत ने इस मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश देते हुए अगली सुनवाई 21 अगस्त के लिए निर्धारित की है। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार और न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की डबल बेंच ने पारित किया। इससे पहले इस मामले में सिंगल बेंच ने सरकार के फैसले को सही ठहराया था, जिसके खिलाफ अपील दायर की गई थी। याचिकाकताओं की ओर से तर्क दिया गया कि सरकारी स्कूलों का इस प्रकार विलय करना निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार कानून (फ्ळए अ्३) का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया कि इससे गरीब और दूरदराज के बच्चों की शिक्षा बाधित होगी। सरकार ने छात्रों की कम संख्या और संसाधनों के बेहतर उपयोग का हवाला देकर स्कूलों के विलय का निर्णय लिया था। फिलहाल हाईकोर्ट के आदेश के बाद सरकार को इन स्कूलों में किसी प्रकार की बदलाव की प्रक्रिया पर रोक लगानी होगी।

वैज्ञानिक तरीके से केस का अनुसंधान करने का एसडीपीओ ने दिया निर्देश

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में एसडीपीओ अमन कुमार ने वृहस्पतिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मै महाराजगंज में नया योगदान दिया हूं। बस जानिए मैं कभी अपराध व भ्रष्टाचार से समझौता नहीं करूंगा । बस हमे आम जनता का सहयोग चाहिए। सूचना देने वाली जनता को सार्वजनिक नहीं किया जाएगा । हमें सहयोग चाहिए। पुलिस पदाधिकारियों के लिए कहा केस में पारदर्शी रूप से अनुसंधान में लापरवाही नहीं बरतने और वैज्ञानिक तरीके से निष्पक्ष कार्रवाई करने पर जोर दिया। निर्दोष व्यक्ति फंसे नहीं, दोषी बचे नहीं इस पर ध्यान देने का निर्देश भी जारी कर दिया है ।सडीपीओ ने अवैध शराब कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए लगातार छापेमारी करने, क्षेत्र में गश्ती बढ़ाने और गश्ती दल को मुस्तैद रहने के निर्देश दिये हैं।

गोमती नदी में डूबने से दो 15 वर्षिय दो युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के हनुमान घाट गोमती नदी तट पर नहाते समय दो बच्चों की बुधवार शाम मौत हो गई थी। जिसमें दोनों का शव अलग-अलग स्थान से बरामद हुआ है। मोहल्ला ओलंदगंज निवासी परमेश कुमार माली का 15 वर्षीय पुत्र हर्षित कुमार उर्फ हर्ष की लाश गुरुवार सुबह लगभग 7:00 बजे जफराबाद थाना क्षेत्र के बशीरपुर से बरामद हुई। जिसका परिवार के लोगों ने रामघाट पर ले जाकर दाह संस्कार कर दिया और हर्ष के दूसरे साथी जूहेब 15 वर्ष पुत्र मोहम्मद शहवाज की लाश कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला चाचकपुर में स्थित गोमती नदी से बरामद हुई है। चौकी प्रभारी सुनील कुमार यादव सहयोगी जवानों के साथ पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों बच्चों की मौत को लेकर उनके घरों मातम छाया हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नदी में डूबकर मरने वाले दोनों लड़के एक दूसरे की परम मित्र थे और दोनों हमेशा साथ-साथ रहा करते थे। गोमती नदी धीरे-धीरे जहां अपनी उफान की तरफ बढ़ रही है। वहीं इस तट पर स्थान करने वालों को डूबने का खतरा बढ़ता जा रहा है। जिसमें प्रशासन को कोई ठोस कदम उठाना पड़ेगा। इस माह में अब तक इस स्थान से इन दोनों लड़कों को मिलाकर चार लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। दो युवक जो पहले डूबे हुए थे वह बक्सा थाना क्षेत्र के कुलहनामऊ निवासी बताए गए हैं। जब नदी उफान पर हो रही है तो ऐसे में जल पुलिस की मौजूदगी का रहना अब सुनिश्चित किया जाए। ताकि हर संभव प्रयास रहे कि कोई भी युवा या व्यक्ति अपने जीवन के इस पड़वा में जान ना गवा सके।

अमृत भारत योजना के तहत करोड़ो की लागत से बन रहे, शाहगंज जंक्शन में भारी अनिमियताओं की आशंका

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। रेलवे मंत्रालय द्वारा देश के विभिन्न रेलवे स्टेशन जो बहुत जर्जर या पुराने हो गए थे।मंत्रालय ने करोड़ों रुपये देकर ऐसे रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प होना है।

इस योजना के तहत शाहगंज जंक्शन भी लाभान्वित हुआ।ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधा और यातायात में में होने वाली दुष्वारियों को दूर किया जा सके।मगर यहां धरातल पर नजारा ही कुछ अलग नजर आरहा है।जहां भ्ष्टाचार की बू आरही है।इसका अंदाजा गुरुवार को हुई बारिश से लगाया जा सकता है।गुरुवार की दोपहर लगभग एक घण्टे से अधिक हुई बारिश में रेलवे स्टेशन के नव निर्मित बिल्डिंग की पोल खुलती दिखी।बारिश के कारण रेलवे स्टेशन पर स्थित टिकट आरक्षण केंद्र में छतों से पानी की जैसे झरने बहने लगे । जिसके कारण आरक्षण केंद्र में रखे सारे कम्प्यूटर सिस्टम जल से बुरी तरह भीग गए और तो एक टिकट काउंटर पर तो पानी की वजह से सारे सिस्टम शार्ट सर्किट के कारण व्यवस्था ध्वस्त हो गयी।जिससे टिकट वापस कराने आने वाले यात्रियों को खाली हाथ अपने पैसे के नुकसान के साथ वापस जाना पड़ा। बताते चले लगभग एक सप्ताह पूर्व लखनऊ मण्डल के डीआरएम से मीडिया ने रेलवे स्टेशन पर प्रयोग हो रहे सामग्रियों की क्वालिटी पर सवाल उठाया था।जिसपर डीआरएम ने जांच का भरोसा दिलाया था। सवाल उठता है की सरकार और रेलवे मंत्रालय द्वारा करोड़ो खर्च करके भी अगर कार्य

ठोस और मजबूत न हो तो सम्बन्धित ठेकेदार और कार्यदाई संस्था पर सवाल उठना लाजमी है।नए नए बिल्डिंग में एक बारिश से ही अगर रेलवे स्टेशन पानी का तालाब बन जाये तो कहीं न कहीं भ्ष्टाचार की बू आती है।अगर सही से मामले की जांच हो जाये तो बहुत कुछ सामने आ सकता है। इस सम्बंध में जब स्टेशन अधीक्षक वीरेंद्र कुमार यादव से बात की गई तो उन्होंने कहा की बारिश के कारण पीआरएस के ऊपर छत पर पानी भर गया था।जिसके कारण पीआरएस काउंटर में पानी भर गया है।जिससे सिस्टम बन्द हो गया।और काम प्रभावित हुआ है।गाड़ियों का विलम्बन हो रहा है।यूपीएस काउंटर चल रहा है।जहाँ टिकट वापसी का कार्य चालू किया जा रहा है।रेलवे के कार्य मे भृस्टाचार के सवाल पर उन्होंने कहा की ये सब हमारे अधिकार क्षेत्र से बाहर का मामला है।

वर्तमान का स्वागत तो पूर्व का हुआ विदाई समारोह

केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने बदलापुर पड़ाव स्थित लान में आयोजित किया गरिमामय कार्यक्रम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। 24 जुलाई 2025 केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन जौनपुर द्वारा बदलापुर पड़ाव स्थित एक लान में जिले के नए औषधि निरीक्षक रजत पांडेय के स्वागत एवं निवर्तमान औषधि निरीक्षक चंद्रेश द्विवेदी के विदाई समारोह का आयोजन भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने की जबकि संचालन कार्यवाहक अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, तत्पश्चात सभी अतिथियों का अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। स्वागत की इस श्रृंखला में संस्था के चेयरमैन शकील अहमद ने औषधि निरीक्षक रजत पांडेय का जीवन परिचय देते हुए पूर्ण सहयोग और समन्वय की बात कही। वहीं निवर्तमान औषधि निरीक्षक चंद्रेश द्विवेदी के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी गई(इस अवसर पर वाराणसी से पधारे दवा विक्रेता समिति (ओसीडी) के मंडल अध्यक्ष संजय सिंह एवं महामंत्री संजय सिंह का भी मंच पर स्वागत किया गया। संरक्षक मंडल से विनय गुप्ता एवं राजदेव यादव ने भी अतिथियों का स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए नए औषधि निरीक्षक रजत पांडेय ने कहा कि उनका फोकस तीन मुख्य बिंदुओं—नकली दवाओं की रोकथाम, ऑक्सीटोसिन की अवैध बिक्री और नारकोटिक्स दवाओं के दुरुपयोग पर रहेगा। उन्होंने दुकानदारों से इन बिंदुओं पर सतर्क रहने की अपील की और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

वहीं निवर्तमान निरीक्षक चंद्रेश द्विवेदी ने भावुक होते हुए अपने कार्यकाल को याद किया और जौनपुर को अपनी ₹पाठशाला₹ बताया। उन्होंने संस्था और सदस्यों के सहयोग की सराहना की। मंडल अध्यक्ष संजय सिंह ने भी मंच से व्यवसायिक चुनौतियों पर अपने विचार रखते हुए इसे उचित मंच बताया और प्रदेश अध्यक्ष के रूप में दिवाकर सिंह की भूमिका की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में संरक्षक संजय सिंह ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्था के महामंत्री बंशीधर मौर्य, कोषाध्यक्ष श्याम सिंह सहित बड़ी संख्या में दवा व्यवसायी उपस्थित रहे। प्रमुख उपस्थितजनों में अखिलेश श्रीवास्तव, प्रशांत मौर्य, आशुतोष सिंह, विनोद रावत, विकास गुप्ता, आनंद साहू, अनिल कुमार, श्याम गुप्ता, मो. आसिम, अवधेश्वर केसरवानी, सुनील गुप्ता, धर्मेंद्र सेठ, अमित पांडेय, रियाज आलम, रामकृपाल जायसवाल आदि शामिल रहे।

राजद ने किया महाराजगंज विस क्षेत्र का दौरा, एनडीए को विदाई करने का जनता से किया अपील

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज विधान सभा रजद के भावी प्रत्याशी विशाल कुमार जायसवाल ने महाराजगंज प्रखंड के आधा दर्जन गांव का भ्रमण कर जनता से संपर्क किया। उनके साथ राजद के पदाधिकारी भी शामिल थे। महाराजगंज प्रखंड के धोबावलिया, जिगरावा, देवरिया, कसदेवरा गांव का भ्रमण किया। भावी प्रत्याशी विशाल कुमार ने विभिन्न गांवों के दौरा के बाद धोबावलिया में कृष्ण प्रसाद के निवास पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि नीतीश सरकार में ऑफिसर बेलगाम हैं। घूसखोरी अपराध सड़क लुट आदि की घटनाएं बढ़ी है । युवा पीढ़ी पढ लिखकर रोजगार के तलाश में भटक रहे हैं। नीतीश कुमार अपनी कुर्सी के लालच में बंदर कूद में लगे हुए हैं। स्थाई सरकार, विकास व गरीब गुरुवा को हक दिलाने के लिए महागठबंधन सरकार की जरूरत है। जिसकी मुखिया नेता तेजस्वी यादव होंगे। युवा नेता ने कहा मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में गरीबों के नाम हटाने की साजिश है। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपील किया कि किसी प्रकार की गड़बड़ी होने पर राजद के पंचायत या प्रखंड स्तर के अधिकारी से कहें। मौके पर बिहार प्रदेश राजद की पूर्व सचिव अरविंद गुप्ता, उमेश कुमार प्रसाद, ज्वाला प्रसाद, प्रेमचंद प्रसाद कुशवाहा, सिपाही महतो, नानक महतो, बिहारी प्रसाद, मनोज प्रसाद कुशवाहा, हरिश्चंद्र प्रसाद आदि सैकड़ो लोग मौजूद थे।

दो सप्ताह बाद भी डीलर पर कार्रवाई नहीं, जनता में आक्रोश

एमओ के जांच के बाद नहीं हुई कार्रवाई

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र के जिगरवाल के धोबावलिया वार्ड 10 में शिव जी साह राशन वितरण करते हैं। शिव साह के खराब पीडीएस सामग्री वितरण की शिकायत ग्रामीणों द्वारा की गई थी। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने सीवान के डीएम, तथा महाराजगंज के एसडीओ और मराजगंज के एमओ से की थी। एमओ श्री रंजन कुमार ने धोबावलिया वितरण क्षेत्र में जाकर राशन वितरण व्यवस्था की लिखित

शिकायत 10 जुलाई को जानकारी प्राप्त की. ग्रामीणों में अधिकांश महिलाओं ने दुकानदार के खिलाफ राशन कम देने , गाली - गलौज के साथ अभद्र व्यवहार कर महिलाओं को राशन नहीं देकर भागाने का आरोप लगाया, एमओ द्वारा जांच के 15 दिन बाद कोई कारवाई नहीं होने से उपभोक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है।

महाराजगंज के एमओ रंजन कुमार ने बताया कि डीलर द्वारा वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकानों में अक्सर मनमानी की शिकायतें आती हैं। कई बार, डीलर उचित मात्रा में राशन नहीं देते हैं, या फिर घटिया किस्म का अनाज देते हैं। कुछ मामलों में, डीलर राशन देने में आनाकानी करते हैं या फिर लाभुकों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। मैं स्थल पर जाकर लघु कौर डील से बात की। जांच का रिपोर्ट एसडीपीओ महाराजगंज को सौंप दिया गया है। बोली एसडीओ : एमओ के रिपोर्ट को मेरे टेबल पर उपस्थापित करने का निर्देश डीलिंग क्लार्क को दिया गया है। पेपर अवलोकन के बाद अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।

मोलनापुर में भुनेश्वर महादेव जी मंदिर का प्राणप्रतिष्ठा संपन्न

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। मोलनापुर, वाराणसी का एक छोटा सा गांव है, जहां भुनेश्वर महादेव जी का मंदिर सदियों से भक्तों की आस्था का केंद्र रहा है। यह मंदिर 1980-90 के दशक में पाण्डेय परिवार द्वारा स्थापित किया गया था और समय के साथ, यह गांव के लोगों के लिए एक पवित्र स्थल बन गया। लेकिन समय के साथ, मूल शिवलिंग को क्षति पहुंची, जिससे भक्तों में चिंता और उदासी का माहौल बन गया।हालांकि, भगवान शिव की कृपा से, श्री रामनिवास पाण्डेय जी और उनके परिवार ने इस समस्या का समाधान करने का संकल्प लिया। उनके साथ थे उनके पुत्र रिषिकेश पाण्डेय, पुत्रवधू रेखा पाण्डेय, आशीष पाण्डेय, योगेंद्र पांडेय, अतुल पाण्डेय, और आशुतोष पाण्डेय। सभी ने मिलकर नए शिवलिंग की स्थापना का निर्णय लिया, जिससे मंदिर की पवित्रता को फिर से जीवित किया जा सके। इस विशेष अवसर पर, गांव के सभी निवासियों ने एकजुट होकर शोभा यात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा गांव के हर कोने से होकर गुजरी, जहां भक्तों ने अपने श्रद्धा के अनुसार दान-पुण्य किया। गांव के हर व्यक्ति ने इस पवित्र अवसर का हिस्सा बनने के लिए अपनी श्रद्धा के अनुसार इस पूजा में दान दिया और उत्साहपूर्वक भाग लिया।समारोह के दौरान, मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई। यह एक अद्भुत अनुभव था, जहां सभी ने मिलकर भगवान शिव की भक्ति में भाग लिया। वातावरण में भक्ति और श्रद्धा की गूंज थी, और हर कोई एक-दूसरे के साथ मिलकर इस पवित्र अवसर का आनंद ले रहा था।इस प्रकार, भुनेश्वर महादेव जी मंदिर ने एक बार फिर से जीवंतता प्राप्त की। यह न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह मोलनापुर के लोगों के लिए एकता और सामूहिकता का प्रतीक भी बन गया है। इस पुनरुद्धार ने न केवल मंदिर की पवित्रता को बहाल किया, बल्कि गांव के लोगों के बीच एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार भी किया।भुनेश्वर महादेव जी की कृपा से, मोलनापुर का यह मंदिर अब फिर से भक्तों की आस्था का केंद्र बन गया है, और यह सभी के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है।

सड़क लुटेरों ने हथियार के बल पर फाइनेंस कर्मी से लूटा बाइक व मोबाइल

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अतर्गत महाराजगंज में स्थानीय थाना क्षेत्र के महुआरी-अखिलटोला सड़क में महुआरी काली माता मंदिर के पास बाइक पर सवार तीन अज्ञात लुटेरों ने फाइनेंस कंपनी के कर्मी से हथियार का भय दिखा कर मोटर साइकिल व मोबाइल लुटने की घटना प्रकाश में आया है। बताया जाता है कि वीएफ फाइनेंस कंपनी के कर्मी छपरा जिला के डोरीगंज थाना क्षेत्र के बंटी कुमार है। पीड़ित ने बताया कि हम अपने बैंक से पटेरी ब्रांच से महाराजगंज ब्रांच में साप्ताहिक मीटिंग के लिए आ रहे थे ,इसी क्रम में अज्ञात लुटेरों ने महुआरी गांव के काली माता मंदिर के पास रास्ते में घेर कर हथियार के बल पर मोटरसाइकिल और मोबाइल लूट कर फरार हो गए। वही घटना की जानकारी ग्रामीणों ने महाराजगंज थाना को दिया। स्थानीय पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कांवड़ यात्रा शिवत्व की राह पर आस्था का सैलाब : प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी

मां विंध्यवासिनी मंदिर द्वारा कांवड़ यात्रा 28 जूलाई को

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कावड़ यात्रा शिवत्व की पहचान है । श्रावण मास और कावड़ यात्रा भारतीय संस्कृति की वह चेतन है। जिसमें केवल भक्ति ही नहीं जीवन के गुण तत्व समाहित है। यह केवल तीर्थ ही नहीं बल्कि कर्म तप और श्रद्धा का महा मार्ग है । यह उद्‌गार भाजपा मुंबई प्रवक्ता प्रोफेसर डॉक्टर दयानंद तिवारी ने कही। उन्होंने बताया कि सायन कोळीवाड़ा म्हाडा कॉलोनी स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर के अध्यक्ष व ट्रस्टी भारत भाई शुक्ला के नेतृत्व में दिनांक 28 जुलाई 2025 दिन सोमवार को कावड़ यात्रा का श्री गणेश किया जाएगा। सायन कोळीवाड़ा म्हाडा कालोनी स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर में विंध्येश्वर महादेव की मूर्ति स्थापित है। सावन मास में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जलाअभिषेक किया जाएगा। कावड़

यात्रा का यह 9 वां वर्ष है , इस वर्ष भी वालकेश्वर स्थित बाण गंगा से जल भर कर सायन कोळीवाड़ा म्हाडा कालोनी स्थित विंध्यश्वर महादेव को जलाभिषेक करने का सौभाग्य आप सभी को प्राप्त होते आ रहा है । मंदिर के ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला ने बताया कि मां विंध्यवासिनी मंदिर में विराजमान विंध्येश्वर महादेव को जल अर्पण करके अपने भाग्य उदय कर सकते हैं, तथा पुण्य की प्राप्ति कर सकते हैं । आप सभी लोग इस कांवड़ यात्रा में भारी से भारी संख्या मे उपस्थित होकर सनातन धर्म और हिंदुत्व की रक्षा का मान सम्मान कायम रखने के लिए जलाभिषेक कर भगवान शिव जी का कृपा प्राप्त कर सकते हैं ।जो दिनांक 28 जूलाई 2025 दिन सोमवार को निश्चित किया गया है । कांवड़ यात्रा में सम्मिलित हो कर भक्तगण वालकेश्वर स्थित वाण गंगा से जल भरकर पैदल ही बोल बम का नारा है , भोले तेरा सहारा है, जय घोष के साथ सायन कोळीवाड़ा म्हाडा कालोनी स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर में विराजमान भोलेनाथ पर जला अभिषेक किया जाएगा । कांवड़ सेवा समिति अध्यक्ष भरत शुक्ला ने अनूरोध किया है, कि अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित हो कर पुण्य कार्य में अपना सहयोग करे आप सब अपना नाम पंजीकरण कराने के लिए भरत शुक्ला से मोबाइल नंबर 9967051965 पर संपर्क कर सकते हैं। या लालमणि दुबे 9224431372, राकेश उपाध्याय 9224763427, पंडित कुलदीप तिवारी 7021503100 से भी संपर्क कर सकते हैं।